हिन्दी दैनिक
PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911
लोकतंत्र प्रहरी
• वर्ष-02 • अंक- 49 • भिलाई, मंगलवार 08 सितम्बर 2026 • हिन्दी दैनिक • पृष्ठ संख्या-8 • मूल्य - 2 रुपया • संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

सत्य निकेतन हादसा-हादसे में 7 की मौत; 12 लोग बचाए गए

सत्य निकेतन हादसा-मालिक हरिराम बंसल भिवाड़ी से गिरफ्तार

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को हुए हॉस्टल हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। सोमवार सुबह रेस्क्यू टीम ने मलबे से एक और शव बरामद किया। इस बीच पुलिस ने हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ पहले ही लुकआउट नोटिस जारी किया था। हादसे में अब तक 12 लोगों को बचाया गया है, जिनमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। मलबे में अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है और रेस्क्यू डॉग व कैमरों की मदद से तलाश जारी है। सत्य निकेतन क्ल हादसे के मालिक हरिराम गुप्ता को 24 घंटे से ज्यादा समय बाद राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया गया। तलाशी अभियान के बाद पुलिस ने उसे पकड़ा। सामने आई पहली तस्वीर में मास्क, सफेद शर्ट और गहरे भूरे रंग की पैंट में नजर आया। सत्य निकेतन में हॉस्टल की इमारत ढहने की घटना को लेकर दिल्ली सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। दिल्ली के मंत्री सतीश खुराना ने कहा कि सरकार ने मामले का संज्ञान लिया है और पहली बार किसी डीसी को इस तरह सस्पेंड किया गया है। उन्होंने बताया कि डीसी समेत कुल पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली के सभी इलाकों में चल रहे पीजी और बिना अनुमति

बनी अतिरिक्त मंजिलों की जांच की जानी चाहिए। डीसी को ऐसे क्षेत्रों की पहचान कर नियमों का उल्लंघन रोकने और कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विधायकों और स्थानीय पार्षदों से भी अवैध पीजी और खतरनाक इमारतों की जानकारी लेकर एमसीडी के साथ तत्काल कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकार की प्राथमिकता हादसे में घायल और मलबे में फंसे लोगों को बेहतर इलाज और जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकालना है। मंत्री ने कहा कि इस समय राजनीति या ब्लेम गेम की बजाय राहत और बचाव कार्य पर ध्यान देने की जरूरत है। सरकार एक्शन मोड में है और मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। पुलिस ने सत्य निकेतन में इमारत ढहने के मामले में कथित मालिक हरिराम समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, साउथ कैंपस पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 153/26 के तहत बीएनएस की धारा 105/290/125(ए) में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर मरम्मत का काम चल रहा था। आरोप है कि मरम्मत के दौरान किए जा रहे काम के कारण इमारत ढह गई। मामले में आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें बनाई गई हैं।

सत्य निकेतन हादसे ने छीन लीं दुर्ग जिले के एक परिवार की खुशियां

रायपुर. दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को हुए दर्दनाक इमारत हादसे ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के एक परिवार की खुशियां छीन लीं. हादसे में दुर्ग निवासी युवराज सोनी की मौत हो गई. 20 वर्षीय युवराज सत्य निकेतन स्थित बॉयज पीजी में रहते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज में बीकॉम द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था. खबरों के मुताबिक, दर्दनाक हादसे से कुछ ही पल पहले युवराज अपने बचपन के दोस्त आर्यन से फोन पर बात कर रहा था. दोनों छुट्टियों के बाद मिले समय में घूमने जाने की योजना बना रहे थे. बातचीत के दौरान अचानक फोन पर तेज और भयावह गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी।, उसके करीबन एक मिनट बाद फोन कट गया.

संक्षिप्त समाचार

जेएनयू के प्रोफेसर पर 10 छात्राओं ने लगाए यौन उत्पीड़न के आरोप, जांच शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। विश्वविद्यालय के ही एक प्रोफेसर पर कम से कम 10 छात्राओं ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। मामले से परिचित अधिकारियों ने बताया कि ये शिकायतें करीब एक महीने पहले की गई थीं और कथित घटनाएं भी उसी दौरान की हैं। मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच समिति ने जांच शुरू की है। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि प्रोफेसर ने छात्राओं को परिसर में ही स्थित अपने आवास पर आयोजित समारोहों में बुलाया, जहां उन्होंने कथित तौर पर अनुचित हरकतें कीं। कुछ शिकायतों में कक्षा के दौरान भी कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों का भी जिक्र है। ये मामला तब चर्चा में आया, जब हाल ही में कुछ वरिष्ठ छात्राओं ने भी प्रोफेसर के ऊपर इसी तरह के आरोप लगाए। फिलहाल जांच की जा रही है। जेएनयू की आंतरिक जांच समिति फिलहाल सभी शिकायतों की जांच कर रही है।

उत्तर प्रदेश के संभल में हाईवे पर डंपर ने टेंपो को कुचला

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रविवार सुबह आगरा-मुरादाबाद राजमार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि रेत से भरे डंपर ट्रक की टक्कर के बाद टेम्पो करीब 10 फुट दूर जा गिरा। मृतकों में तीन महीने का मासूम बच्चा, आठ साल का एक बच्चा और उनकी चाची भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह हादसा संभल शहर से करीब दो किलोमीटर पहले हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि एक ई-रिक्शा अचानक सड़क पर यू-टर्न लेने लगा। उसे बचाने के प्रयास में रेत से भरे डंपर चालक ने अपना वाहन मोड़ दिया। इसी दौरान डंपर की टक्कर टेम्पो से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो में सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया।

आरा जंक्शन पर सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतरे

आरा। बिहार के आरा जंक्शन पर तड़के दिल्ली जा रही सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के समय ट्रेन स्टेशन पर थी। राहत की बात रही कि दुर्घटना में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, घटना के कारण कुछ समय के लिए रेल यातायात प्रभावित हुआ। रेल अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह चालक द्वारा लाल सिग्नल को पार करना सामने आई है।

डबल मीनिंग वाले बयान पर भड़के विजय

आलोचना ठीक....अपमान बर्दाश्त नहीं सीएम विजय

चेन्नई: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में महिलाओं के खिलाफ की जा रही व्यक्तिगत और आपत्तिजनक टिप्पणियों पर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने उनकी राजनीतिक जीत में बड़ी भूमिका निभाई है और उनके खिलाफकिसी भी तरह की गाली या मानहानिकारक टिप्पणी वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। विजय ने कहा कि राजनीति में तीखी आलोचना हो सकती है, लेकिन महिलाओं का अपमान नहीं होना चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि तमिलनाडु में इन दिनों महिलाओं के खिलाफ डबल मीनिंग भाषा का

इस्तेमाल बढ़ रहा है और जनता सब देख रही है। विधानसभा में विजय ने साफ कहा कि किसी व्यक्ति या महिला पर व्यक्तिगत हमला नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की वजह से ही उन्हें राजनीतिक जीत मिली है।

सुकमा जिले में मिला बड़ा नक्सल डंप

भरमार बंदूक, 57 बीजीएल पाइप,डेटोनेटर और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए.........

सुकमा। नक्सल उन्मूलन अभियान के बीच सुकमा पुलिस और सीआरपीएफ को बड़ी सफलता मिली है। चिंतलनार थाना क्षेत्र के चिन्नाबोड़केल के घने जंगल-पहाड़ी इलाके में सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डंप का पता लगाकर बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य नक्सली उपयोगी सामग्री बरामद की है। बरामद सामान में एक भरमार बंदूक, बीजीएल हथियार बनाने की 57 पाइप, तीन आईईडी कंटेनर, वायरलेस सेट, डेटोनेटर, गन पाउडर, बिजली के तार और अन्य सामग्री शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार, नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जंगल और दुर्गम क्षेत्रों में छिपाकर रखे गए नक्सली डंप की तलाश के लिए लगातार एरिया डोमिनेशन और सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 5 सितंबर 2026 को महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस के आधार पर चिंतलनार थाना क्षेत्र के ग्राम चिन्नाबोड़केल के पहाड़ी-जंगल क्षेत्र में संयुक्त अभियान चलाया गया। यह अभियान कैम्प रायगुडेम से सहायक कमांडेंट

विकास कुमार के हमराह 223वीं वाहिनी सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस बल की संयुक्त टीम ने संचालित किया। सघन सर्चिंग के दौरान टीम को जंगल में नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखा गया डंप मिला। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए डंप से हथियार, विस्फोटक सामग्री, संचार उपकरण और अन्य सामान बरामद किया गया। मामले में नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई जारी है। सुरक्षा बलों को डंप से एक देशी भरमार राइफल, तीन डेटोनेटर युक्त आईईडी कंटेनर, पांच शॉक ट्यूब असेंबली, एक इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, तीन नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, करीब एक किलोग्राम गन पाउडर और करीब तीन किलोग्राम यूरिया बरामद हुआ है। इसके अलावा बीजीएल हथियार तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली 29 बड़ी और 28 छोटी पाइप, छोटे-बड़े पटाखे, करीब 500 ग्राम स्प्लिंटर और 18 लोहे की स्पाइक भी बरामद की गई हैं।

प्रयागराज पॉक्सो कोर्ट ने आशुतोष ब्रह्मचारी पर जांच के दिए आदेश

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को झूठे केस में फंसाने की साजिश

नई दिल्ली/ एजेंसी

ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी प्रत्यक् चैतन्य मुकुंदानंद गिरि को पॉक्सो के झूठे मुकदमे में फंसाने की रची गई कथित साजिश अब बेनकाब होने की कगार पर है। प्रयागराज की विशेष पॉक्सो अदालत ने ऐतिहासिक रुख अपनाते हुए झूंसी पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मामले में आशुतोष ब्रह्मचारी, उसके सहयोगियों, अज्ञात पुलिसकर्मियों और चैनल 'आजतक' के मालिकों व

मीडियाकर्मियों की भूमिका की गहन व निष्पक्ष जांच की जाए। अदालत ने साफ कर दिया है कि विवेचना एकतरफा नहीं हो सकती और यदि जांच में इन लोगों का आपराधिक कृत्य या षड्यंत्र सामने आता है, तो उनके विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल कर विधि सम्मत अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) विनोद कुमार चौरसिया ने स्वामी प्रत्यक् चैतन्य मुकुंदानंद गिरि की ओर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175(3) के तहत दाखिल आवेदन पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। कोर्ट ने मामले की पूर्व दर्ज एफआईआर संख्या 58/2026 की विवेचना का दायरा बढ़ाते हुए आवेदक द्वारा पेश किए गए तमाम दस्तावेजी, इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल साक्ष्यों को जांच का अनिवार्य हिस्सा बनाने का आदेश दिया है।

राजकोट में चेक डैम में डूबने से चार किशोरों की मौत, जन्माष्टमी की खुशियां मातम में बदलीं

राजकोट। गुजरात के राजकोट जिले के पडधरी तालुका स्थित दहिसरडा गांव में जन्माष्टमी के त्योहार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब पट हनुमान मंदिर के पीछे बने चेक डैम में डूबने से चार लड़कों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र करीब 12 से 15 वर्ष के बीच बताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, दहिसरडा गांव के एक ही स्कूल में पढ़ने वाले तीन दोस्त और जामनगर जिले के ध्रोल से जन्माष्टमी मनाने अपने मामा के घर आया एक किशोर शनिवार, 5 सितंबर की दोपहर चेक डैम में नहाने गए थे। इसी दौरान चारों गहरे पानी में चले गए।

राज्यपाल डेका ने दिलाई शपथ

कृष्ण राम महापात्र बने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 16वें चीफ जस्टिस..

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को आज नया चीफ जस्टिस मिल गया है. जस्टिस कृष्ण राम महापात्र ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 16वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली. लोकभवन में राज्यपाल रमेन डेका ने उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई. शपथ ग्रहण के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री शर्मा, सीएस विकासशील समेत अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे. जस्टिस कृष्ण राम महापात्र की नियुक्ति के साथ ही छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को स्थायी मुख्य न्यायाधीश मिल गया

है. इससे पहले जस्टिस संजय कुमार अग्रवाल छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की जिम्मेदारी संभाल रहे थे. 18 अप्रैल 1965 को जन्में जस्टिस कृष्णा राम महापात्र के स्वर्गीय पिता जस्टिस शरत शरत चंद्र महापात्र भी न्यायपालिका में महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके हैं. कृष्णा राम महापात्र ने भी न्याय के क्षेत्र में ही अपना करियर बनाने की ठानी. उन्होंने क्र. के बाद रूक्र की डिग्री हासिल की. 7 फरवरी 1988 को उन्होंने उड़ीसा स्टेट बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण हुए. फिर उनका 26 साल तक वकालत के दौर रहा. सिविल, क्रिमिनल, सर्विस और संवैधानिक कानून से जुड़े मामलों में अनुभव हासिल किया. गार्डियंस एंड वार्ड्स एक्ट, हिंदू माइनॉरिटी एंड गार्डियनशिप एक्ट और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट से जुड़े मामलों में भी उन्होंने पैरवी की. वे राज्य सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील और ओपीएससी के अधिवक्ता भी रहे.

बागपत एक्सप्रेसवे हादसा

पिकअप डिवाइडर से टकराकर पलटी,छह श्रद्धालुओं की मौत...

बागपत/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बड़ागांव के पास ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 अन्य घायल बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन संख्या यूपी-24,ञ्च-1819 में कुल 32 लोग सवार थे। सभी राजस्थान स्थित गोगामेड़ी से दर्शन कर अपने गांव अलाहपुर लौट रहे थे। उनका गांव बदायूं जिले के उझानी थाना क्षेत्र में बताया गया है। बड़ागांव के पास पहुंचने के दौरान अचानक पिकअप वाहन अनियंत्रित हो गया। वाहन डिवाइडर से जोरदार तरीके से टकराया और इसके बाद सड़क पर पलट गया। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन में सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी खेकड़ा और बागपत जिला अस्पताल ले जाया गया। इनमें गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल, दिल्ली रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। बागपत की जिलाधिकारी अस्मिता लाल और पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार

राय देर रात जिला अस्पताल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों से उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त की। पिकअप आखिर किस वजह से अनियंत्रित हुई, इसकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में वाहन के डिवाइडर से टकराने की बात सामने आई है। पुलिस हादसे के कारणों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है। वहीं, अस्पताल में भर्ती घायलों का उपचार जारी है।

तेज रफ्तार ने छीनी 3 जिंदगियां: पेड़ से टकराई कार,दो युवकों की मौत, तो इधर स्कॉर्पियो ने राज मिस्त्री को मारी टक्कर.....

दुर्ग/बालोद। छत्तीसगढ़ के दुर्ग और बालोद जिले में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जहां दो अलग-अलग हादसों मे तीन लोगों की मौत हो गई है। दुर्ग में कार सवार दो युवक जहां पेड़ से जा टकराए, तो वहीं बालोद में बाइक सवार राज मिस्त्री की स्कार्पियो की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने दोनों घटनाओं की जांच शुरु कर दी है। भिलाई नगर सीएसपी निशांत पाठक ने बताया कि सुपेला थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-53 पर कोसानाला के पास रविवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गई और मुख्य मार्ग से सर्विस लेन पार करते हुए सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में प्रतीक ठाकुर (25 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं भास्कर कुमार निषाद (23 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए बीएम शाह अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों के प्रयास के बावजूद रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे उसने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही सुपेला पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीएसपी निशांत पाठक ने बताया कि शुरुआती जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और वाहन के अनियंत्रित होने की बात सामने आ रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जानकारी जुटाई जा रही है। एक झटके में दो युवकों की मौत से परिवारों में चीख-पुकार मची हुई है। हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को सामने ला दिया है बालोद जिले के डौंडी थाना क्षेत्र के मड़ियाकट्टा गांव में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में राज मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई। काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे मिस्त्री की बाइक को तेज रफ्तार स्कार्पियो ने जोरदार ठोकर मार दी।

जल संरक्षण में कबीरधाम देश के टॉप-10 में

एक दिन में बनाए थे 1.02 लाख सोख पिट, रिकॉर्ड से सम्मान तक, वर्मा-त्रिपाठी-साहू की जल मुहिम ने फिर दिलाया गौरव

कवर्धा। जल संरक्षण के क्षेत्र में कबीरधाम जिले की मुहिम को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। कभी एक दिन में एक लाख से अधिक सोखता गड्ढे बनाकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दो रिकॉर्ड दर्ज कराने वाला कबीरधाम अब जल संरक्षण के उत्कृष्ट कार्यों के लिए देश के टॉप-10 जिलों में शामिल हुआ है। इस उपलब्धि ने एक बार फिर उस अभियान की चर्चा तेज कर दी है, जिसकी नींव तत्कालीन कलेक्टर गोपाल वर्मा, तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी और तत्कालीन एपीओ केके साहू की पहल से पड़ी थी। मोर गांव-मोर पानी अभियान के दौरान प्रशासन ने जल संरक्षण को सरकारी कार्यक्रम की सीमाओं से बाहर निकालकर सीधे गांव और ग्रामीणों से जोड़ा था। परिणाम यह रहा कि जिले की 469 पंचायतों के 999 गांवों में बड़े पैमाने पर सोख पिट निर्माण कराया गया। अभियान के दौरान उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार महज 12 घंटे में 1 लाख 2 हजार 98 सोख पिट तैयार किए गए, जबकि 1 लाख 17 हजार 504 नागरिकों ने जल संरक्षण की शपथ लेकर पानी बचाने का संकल्प लिया। यही वह जनभागीदारी थी, जिसने कबीरधाम को राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान दी।

अभियान की सफलता के बाद गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एशिया प्रमुख मनीष विश्नोई ने कवर्धा पहुंचकर अभियान की समीक्षा की और तत्कालीन कलेक्टर गोपाल वर्मा तथा तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी को प्रोविजनल वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र सौंपा था।

एक दिन की मुहिम नहीं, लगातार प्रयास का नतीजा

जल संरक्षण की यह उपलब्धि केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित नहीं रही। तत्कालीन अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद भी जिले में अभियान को जारी रखा गया। नए अधिकारियों ने भी जल संरक्षण के कार्यों को आगे बढ़ाया। इसी निरंतरता का परिणाम बताया जा रहा है कि कबीरधाम अब जल संरक्षण कार्यों में देश के टॉप-10 जिलों में शामिल हुआ है और उपलब्ध जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर रहा। चारों विकासखंडों में अभियान की व्यापकता भी उल्लेखनीय रही। कवर्धा में 23,110, बोड़ला में 26,205, पंडरिया में 27,911 और सहसपुर लोहारा में 24,872 सोख पिट बनाए गए थे। पंडरिया विकासखंड में सबसे अधिक सोख पिट निर्माण दर्ज किया गया। वहीं चारों विकासखंडों में कुल 1,17,504 नागरिकों द्वारा जल संरक्षण की शपथ लेना अभियान की जनभागीदारी का बड़ा प्रमाण रहा।

पुरस्कार ने बढ़ाई जिम्मेदारी

कबीरधाम को मिली नई पहचान निश्चित रूप से जिले के लिए गौरव की बात है, लेकिन सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। एक लाख से अधिक सोख पिट निर्माण का रिकॉर्ड तभी स्थायी उपलब्धि माना जाएगा, जब इनका नियमित रखरखाव हो और बारिश का पानी वास्तव में भूजल पुनर्भरण में उपयोगी साबित हो। अब प्रशासन के सामने चुनौती इन संरचनाओं को सक्रिय और उपयोगी बनाए रखने की है। तत्कालीन कलेक्टर गोपाल वर्मा, तत्कालीन सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी और तत्कालीन एपीओ केके साहू की पहल से शुरू हुई इस मुहिम ने यह साबित किया कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति के साथ पंचायतों और आम नागरिकों की भागीदारी जुड़ जाए तो जल संरक्षण जैसे गंभीर विषय को जनआंदोलन बनाया जा सकता है। विश्व रिकॉर्ड से शुरू हुई यह यात्रा अब पुरस्कार तक पहुंच चुकी है। ऐसे में कबीरधाम के लिए अगला लक्ष्य केवल पुरस्कार और रिकॉर्ड नहीं, बल्कि जल संरक्षण के इन प्रयासों को गांवों की स्थायी व्यवस्था में बदलना होना चाहिए। क्योंकि असली उपलब्धि प्रमाण पत्र में नहीं, बल्कि उस दिन होगी जब बारिश की हर बूंद जमीन के भीतर पहुंचे और आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी सुरक्षित रहे। एक बूंद जिंदगी की, जल को सहेजे, कल को सहेजे।

सप्तगिरी पार्क बदहाली का शिकार, सुरक्षा गार्ड असुरक्षित माहौल में काम करने को मजबूर

दल्लीराजहरा। नगर के एकमात्र सुंदर स्थल सप्तगिरी पार्क की बदहाली और वहां कार्यरत सुरक्षा गार्ड श्रमिकों की समस्याओं को लेकर हिन्दुस्तान स्टील एम्पलाइज यूनियन (सीटू), शाखा ने नगर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। यूनियन टीम ने द 02 सितंबर को पार्क का निरीक्षण किया था। पार्क की फेंसिंग/जाली कई जगह कट कर खराब हो चुकी है, जिससे अवांछित तत्वों का प्रवेश हो रहा है। पंडरदल्ली टाउनशिप की ओर एक पेड गिर कर सड़क पर आ गया है, जो 4-5 महीने से ऐसे ही पड़ा है। बिजली के स्विच, वायर,ग्रीप, खुले आसमान के नीचे बरसात में पड़े हैं - कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। स्वामी विवेकानंद प्रतिमा परिसर में गेट पर ताला नहीं होने से दुरुपयोग हो रहा है। जलाशय परिसर में ताला नहीं होने से अप्रिय दुर्घटना की संभावना। पशु-पक्षियों के पिंजरों में ताला न होने से कई बार चोरी हो चुकी है। झूले एवं फिसल पट्टियां पूरी तरह जर्जर। जिराफ की प्रतिमा का जबड़ा टूट कर गिर चुका है। जगह-जगह लोहे का कबाड़ पड़ा है, चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। पार्क में बड़ी-बड़ी घास उगने से जहरीले सांप व जंतु घूमते रहते हैं। स्टाफ की कमी - इतने बड़े पार्क की सुरक्षा के लिए प्रथम एवं द्वितीय पाली में सिर्फ एक-एक गार्ड और रात्रि पाली में दो गार्ड की ड्यूटी लगाई गई है, जो पर्याप्त नहीं है। गार्डों के लिए सुरक्षित स्थान नहीं- बरसात एवं गर्मी से बचाव के लिए बनी पूर्व व्यवस्था के कमरे में इंचार्ज द्वारा ताला लगा दिया गया है, जिससे गार्ड असुरक्षित कार्य स्थल में कार्य करने को मजबूर हैं।

नगर में भक्तिमय माहौल में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

दल्लीराजहरा। नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय माहौल में मनाया गया। तहसील साहू संघ, दल्लीराजहरा के तत्वावधान में संत शिरोमणि भक्त माता कर्मा मंदिर, गांधी चौक में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया गया। पूरे मंदिर परिसर को फूलों और रोशनी से सजाया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा के अध्यक्ष तोरण लाल साहू उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील साहू संघ के अध्यक्ष शीतल साहू ने की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10:00 बजे भगवान श्रीकृष्ण के विधि-विधान से अभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई। पुजारियों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच भगवान का दुग्धाभिषेक किया गया। इसके पश्चात माँ कर्मा मानस मंडली के सदस्यों द्वारा श्रीरामचरितमानस का सुमधुर पाठ किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुष, युवा और बच्चे इस आयोजन में शामिल हुए। तहसील अध्यक्ष शीतल साहू ने उपस्थित सभी स्वजनों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई दिया। मुख्य अतिथि तोरण लाल साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने हम सभी को धर्म के मार्ग पर चलने और कर्म करते रहने का संदेश दिया है। हम सबको उनके द्वारा दी गई शिक्षा को अपने जीवन में उतारना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे समाज की आराध्य देवी संत शिरोमणि भक्त माँ कर्मा और भगवान श्रीकृष्ण के बीच भक्त और भगवान का जो अटूट प्रेम था, वह हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। कहा जाता है कि भक्त माँ कर्मा की निश्छल भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण स्वयं बाल रूप में प्रतिदिन जगन्नाथ मंदिर से निकलकर उनकी छोटी सी कुटिया में खिचड़ी खाने आया करते थे। भक्त और भगवान का यह संबंध हमें सच्चाई, ईमानदारी और निस्वार्थ भक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। नन्हे मुन्ने बच्चों को भगवान श्री कृष्ण और महारानी राधा की वेशभूषा में सजाया गया था ।

जहां पर दही लूट का भी आयोजन मंदिर परिसर में किया गया ।

अब थाना ही बनेगा पुलिस कप्तान का दफ्तर, सहसपुर लोहारा से शुरू हुई नई कवायद

कवर्धा। जिला पुलिस में अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय की पहुंच थानों तक होगी। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने जिले में एक थाना एक सप्ताह व्यवस्था शुरू की है। इसके तहत प्रत्येक सप्ताह एक थाना को एक दिन के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के रूप में संचालित किया जाएगा। पुलिस कप्तान खुद थाने में बैठकर जनसुनवाई करेंगे और उसी दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा थाना पुलिस की कार्यप्रणाली की समीक्षा करेंगे।

इस व्यवस्था की शुरुआत 3 सितंबर को सहसपुर लोहारा थाना से की गई। इसका सीधा असर यह होगा कि थाना क्षेत्र के लोगों को छोटी-बड़ी पुलिस संबंधी शिकायत लेकर जिला मुख्यालय तक दौड़ लगाने की जरूरत कम होगी। ग्रामीण और आम नागरिक सीधे पुलिस अधीक्षक के सामने अपनी समस्या रख सकेंगे। शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार और समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

जनसुनवाई के साथ थाने की भी होगी पड़ताल

पुलिस अधीक्षक के थाने में मौजूद रहने का मकसद केवल शिकायतें सुनना नहीं रहेगा। संबंधित थाना क्षेत्र में अपराध की स्थिति, लंबित प्रकरण, वारंटियों की तामीली, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति की भी समीक्षा होगी। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण में थाना पुलिस की सक्रियता और कार्यप्रणाली को भी परखा जाएगा। महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध, यातायात व्यवस्था, नशे और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण जैसे मुद्दे भी समीक्षा के दायरे में रहेंगे। इससे थाना स्तर पर पुलिसिंग की वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद है।

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से सीधे फीडबैक

सहसपुर लोहारा में पुलिस अधीक्षक ने जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर क्षेत्र की समस्याएं और पुलिसिंग से जुड़े मुद्दे सुने। इस दौरान स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई से संबंधित जानकारी भी ली गई। व्यवस्था का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पुलिस कप्तान को अब थाने की कार्यप्रणाली का फीडबैक केवल अधीनस्थ अधिकारियों की रिपोर्ट से नहीं, बल्कि सीधे क्षेत्र के लोगों से भी मिलेगा।

पुलिसकर्मियों की समस्याएं भी समीक्षा में

थाने में पदस्थ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से भी उनकी विभागीय तथा कार्य संबंधी समस्याओं की जानकारी ली गई। पुलिसकर्मियों की सुविधाओं, कार्य परिस्थितियों और अन्य कठिनाइयों पर चर्चा कर नियमानुसार समाधान के निर्देश दिए गए। क्योंकि थाने की कार्यक्षमता सीधे तौर पर पुलिसकर्मियों के कामकाज और संसाधनों से जुड़ी होती है। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लेने और नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस व्यवस्था का वास्तविक परीक्षण अब आने वाले सप्ताहों में होगा, जब अलग-अलग थानों में पुलिस कप्तान खुद बैठकर वहां की पुलिसिंग और शिकायतों की स्थिति देखेंगे।

अगले सप्ताह कुंडा थाना बनेगा पुलिस कप्तान का कार्यालय

'एक थाना एक सप्ताह' व्यवस्था के तहत अगले सप्ताह कुंडा थाना में पुलिस अधीक्षक मौजूद रहेंगे। इसके बाद जिले के अन्य थानों में भी इसी तरह जनसुनवाई और पुलिसिंग की समीक्षा की जाएगी। इस पहल से अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि थानों में लंबित शिकायतों, अपराध नियंत्रण और आम जनता की पुलिस तक पहुंच में वास्तव में कितना बदलाव आता है। फिलहाल पुलिस कप्तान ने कार्यालय को थाने तक पहुंचाने की कवायद शुरू कर दी है। इसका असर कागजी समीक्षा से आगे जमीन पर कितना दिखाई देता है, यह आने वाले दिनों में सामने आएगा।

सिंघौरी स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

बेमेतरा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में गीत, कविता एवं भाषण प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर कुछ विद्यार्थियों ने महान शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में पूर्व एसएमसी अध्यक्ष नारद साहू, पोषण वर्मा एवं पार्षद नीतू कोठारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों के योगदान को समाज एवं राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया।

संस्था प्रमुख सरस्वती साहू ने शिक्षक दिवस के महत्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और जीवन मूल्यों की शिक्षा देकर एक बेहतर नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण और उनके दायित्वों पर भी विस्तार से विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों को सम्मानस्वरूप उपहार भेंट किए गए। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। शिक्षकों ने भी अपने विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य संजय पयासी, देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, शशिकला यादव, पूनम साहू, विनीता श्रीवास, पूजा मानिकपुरी सहित समाधान कॉलेज से आए बीएड छात्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच आत्मीय संवाद और शुभकामनाओं के साथ हुआ।

स्वामी आत्मानंद स्कूल खलारी में हर्षोल्लास से मनाया गया संस्कृत दिवस

दल्लीराजहरा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय खलारी में 31 अगस्त को संस्कृत दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य एस. जॉनसन ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति अभिरुचि पैदा करना है। उन्होंने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है और भारत की सबसे प्राचीन भाषा है। यह केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारे ज्ञान-विज्ञान का अक्षय भंडार है। ऋषि-मुनियों ने समस्त प्राचीन ग्रंथों, चारों वेदों, पुराणों, रामायण और महाभारत जैसे सभी पौराणिक ग्रंथों की रचना संस्कृत भाषा में ही की थी। पूर्व काल में हमारे देश में आम बोलचाल की भाषा भी संस्कृत ही थी। कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा 10वीं की छात्रा कल्पना एवं जीर्पिया द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत और सरस्वती वंदना से हुआ। उनकी सुमधुर प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में संस्कृत व्याख्याता एस. उर्वशा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा आज के आधुनिक युग में भी अत्यंत उपयोगी है। संस्कृत भाषा ही हमारी संस्कृति की रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्व की सबसे वैज्ञानिक भाषा है। कंप्यूटर के लिए सबसे उपयुक्त भाषा के रूप में भी संस्कृत को माना गया है। उन्होंने बताया कि संस्कृत को देवभाषा भी कहा जाता है। 21 जून की तरह ही श्रावण पूर्णिमा के दिन संस्कृत दिवस मनाया जाता है।

नाबालिग से बलात्संग का आरोपी गिरफ्तार नाबालिक बालिका नागपुर से हुई दस्तयाब

डोंगरगांव नगर। एक नाबालिक को सब्जबाग दिखाकर ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं नाबालिक बालिका को भी पुलिस ने दस्तयाब कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कबूलनामे के उपरांत विधिवत गिरफ्तार कर रिमांड में भेज दिया है। पुलिस द्वारा आधिकारिक ब्यौरे मुताबिक नाबालिक के संवेदनशील प्रकरण में प्रार्थी द्वारा थाना हाजिर होकर जुबानी रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि उसकी नाबालिग पुत्री 19 अगस्त 2026 को 8 बजे घर से बिना बताये कही चली गई है। घर वापस नही आने पर प्रार्थी द्वारा आसपास के गांवों, रिश्तेदारों एवं सहेलियों से पूछताछ कर अपनी पुत्री की तलाश की गई, किंतु उसका कोई पता नहीं चल सका। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना डोंगरगांव में धारा 137(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा प्रकरण में नाबालिग बालिका की लगातार पतासाजी की जा रही थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के दिशा निर्देश, एएसपी कीर्तन राठौर व एसडीओपी मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश एवं नाबालिग बालिका की बरामदगी हेतु नागपुर महाराष्ट्र रवाना किया गया। विवेचना के दौरान नाबालिग बालिका को बहला फुसला कर ले जाने वाले आरोपी कैलाश उइके पिता स्व. जागूलाल उइके, 20 वर्ष, निवासी ग्राम लिलामेटा, पुलिस चौकी उकवा, थाना रूपझर, जिला बालाघाट (म.प्र.) की तलाश की गई। पुलिस टीम द्वारा 4 सितम्बर को नागपुर स्थित मैक्स ग्लोरी अपार्टमेंट में आरोपी की पतासाजी कर नाबालिग बालिका को दस्तयाब किया गया।

उपरांत आरोपी को अपराध कबूल करने पर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ एवं विवेचना में आरोपी के विरुद्ध अपराध घटित करना पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, थाना प्रभारी डोंगरगांव, प्रशिक्षु उप निरीक्षक रमाकांत कुर्रे, सउनि गोवर्धन देशमुख, आरक्षक रामचरण साहू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि उपज मंडी प्रांगण बेरला में प्रतिवर्षानुसार जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह संपन्न हुआ

बेमेतरा। पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल के संयोजन में आयोजित हुआ सेवानिवृत शिक्षकों द्वारा रेस्ट हाउस बेरला में वृक्षा रोपण किया गया आयोजन में डॉ हिमांशु द्विवेदी प्रधान संपादक हरिभूमि मीडिया समूह एवं मीडिया नेटवर्क मुख्य अतिथि एवं डॉ जवाहर सुरी शेट्टी रहे मनोवैज्ञानिक एवं शिक्षाविद के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ मुख्य अतिथि द्वारा शिक्षक सम्मान की लगातार हो रहे आयोजन की प्रशंसा की गई एवं सेवानिवृत शिक्षकों की ऊर्जा का उपयोग शिक्षकीय संस्थानों में किया जा सकता है सेवानिवृत्त शिक्षकों को बधाई प्रेषित करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ हिमांशु द्विवेदी द्वारा शिक्षकों को शिक्षकीय कार्य से अतिरिक्त अन्य कार्य कराए जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा गया शिक्षकीय कार्य बाधित होना पाप के सम्मान है । आयोजन में बेरला ब्लाक के अध्यक्ष 17 साजा 20 बेमेतरा 20 नवागढ़ 27 कुल 81 सेवानिवृत्त शिक्षकों का मंच से सम्मान किया गया कार्यक्रम में जिले के प्रतिभावान छात्रा छात्राओं के क्रम में क्रमशः 12वीं के 11 एवं 10 वीं के 10 जिला स्तर पर 21 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया सक्रिय शिक्षकों के रूप में वशिष्ठ शिक्षक राजेश यादव ,रमेश वर्मा एवं कुशल साहू, वरुण आडील पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण हेतु गणेश एवं साथी को सम्मानित किया गया संयोजक पूर्व विधायक अवधेशसिंह चंदेल ने शिक्षकों को क्षेत्र के विद्यार्थी के भविष्य निर्माण में अनवरत सेवा हेतु बधाई देते हुए समुदाय से शिक्षकों के समुचित सम्मान की अपेक्षा की साथ ही आयोजनों को सफल बनाने हेतु सभी कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। आयोजन में संध्या परगनिहा, बलराम पटेल, प्रीतम सिंह चंदेल जिला पंचायत सभापति,विशाल देशलहरा जी अध्यक्ष न.पं. बेरला, संतोष साहू - उपाध्यक्ष न.पं. बेरला, डोमेन्द्र राजपूत, नारायण पटेल, थानेश्वर साहू, पोषण वर्मा, यतीश द्विवेदी ,कन्हैया वर्मा, सिंपू परगनिहा, रमेश सिंहा, लक्ष्मी लता वर्मा, मानक चतुर्वेदी, सेवाराम साहू, झड़ी सिन्हा कमल साहू, युगल पाटिल, आशीष सोनी, अरविंद राजपूत, संजीव तिवारी, जीतू जैन, राकेश बुरड़अंजनी पाटिल, भूनेश्वरी टण्डन, नीलेश सोनी हर्षद सुराणा, गणेश गौसेवक, भूपेंद्र टिकरिया, राकेश जैन, सुभाष जैन, संजय सुराना, संजीव तिवारी, गौकरण साहू, नीरज राजपूत, पिंटू रघुवीर सिंह, रोहित माहेश्वरी, बृजेश शर्मा, पोषण निर्मलकर, बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षकाएं उपस्थित रहे।

11 हजार ऑडियो बुक्स बनाने वाली टीम को मिला 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स'

दृष्टिबाधित और सामान्य बच्चों के लिए शिक्षकों की अनूठी पहल, राज्यपाल रमेन डेका ने किया सम्मानित

बेमेतरा। शिक्षा को समावेशी, सुलभ और तकनीक-सम्मत बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ के शिक्षकों की अनूठी पहल ने विश्व स्तर पर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। दृष्टिबाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों के लिए 11,000 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार करने वाली 'वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़' का नाम 'गोल्डन बुक ऑफ WORLD RECORDSÓ में दर्ज किया गया है।लोकभवन, रायपुर में आयोजित गरिमामय सम्मान समारोह में राज्यपाल रमेन डेका और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की छत्तीसगढ़ प्रमुख डॉ. सोनल राजेश शर्मा द्वारा पूरी टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। 5 अक्टूबर 2024 से शुरू हुआ था अभियान इस अभिनव अभियान की शुरुआत 5 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका के. शारदा के नेतृत्व में हुई, जिन्होंने स्वयं 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार की हैं। इसमें प्रीति शांडिल्य ने मुख्य समन्वयक की सराहनीय भूमिका निभाई। वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने नियमित शैक्षणिक दायित्वों के साथ इस अभियान में निरंतर निःस्वार्थ योगदान दे रहे हैं। बेमेतरा जिले के शिक्षकों की महत्वपूर्ण सहभागिता अभियान को सफल बनाने में बेमेतरा जिले के तीन शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। जिनमें ममता गुरुपंच (सहायक अधीक्षिका, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा) इन्होंने कक्षा 11वीं इतिहास एवं सामान्य ज्ञान के कुल ऑडियो कंटेंट तैयार कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवाचारी शिक्षिका चंदा सिन्हा (सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला बीजा गोंड, साजा ब्लॉक) इन्होंने कक्षा 5वीं गणित विषय और छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास हेतु छत्तीसगढ़ी कहानियों के सुंदर ऑडियो तैयार किए। धनेश रजक (प्रधान पाठक, शासकीय प्राथमिक शाला खपरी धोबी) इन्होंने कक्षा 7वीं व 10वीं संस्कृत तथा कक्षा 11वीं हिंदी विषय पर गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक ऑडियो कंटेंट तैयार किया। 8 लाख से अधिक बार सुना गया कंटेंट ऑडियो बुक्स के माध्यम से पढ़ाई को सहज बनाने वाले इस डिजिटल चैनल पर 107 से अधिक विषयवार प्लेलिस्ट उपलब्ध हैं, जिन्हें अब तक 8 लाख से अधिक बार देखा और सुना जा चुका है। यह पहल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होने के साथ-साथ सामान्य विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता को भी बेहतर बना रही है।

संक्षिप्त समाचार

सेवा सेतु से आसान हुई छात्रवृत्ति की राह,एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र

रायपुर। जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के ग्राम राकेल निवासी महेन्द्र कुमार बघेल, पिता श्री मंगड़ा, पीएम स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल, छिंदगढ़ में कक्षा 12वीं के छात्र हैं। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के दौरान उन्हें आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ी। महेन्द्र ने छत्तीसगढ़ शासन की सेवा-प्रदाय व्यवस्था 'सेवा सेतु' के माध्यम से तहसील कार्यालय छिंदगढ़ में आय प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। डिजिटल माध्यम से आवेदन करने की सुविधा ने उनके लिए पूरी प्रक्रिया को सरल और सहज बना दिया। 5महेन्द्र कुमार को आवेदन करने के महज एक दिवस के भीतर ही आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। प्रमाण पत्र समय पर मिल जाने से उन्होंने इसे अपने विद्यालय में जमा किया और छात्रवृत्ति के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सके। समय पर दस्तावेज उपलब्ध होने के कारण उनका छात्रवृत्ति का ऑनलाइन फॉर्म भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर सफलतापूर्वक जमा हो गया। सेवा सेतु के माध्यम से त्वरित सेवा मिलने से महेन्द्र को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने और लंबा इंतजार करने से राहत मिली। महेन्द्र कुमार बघेल ने छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन सुकमा एवं सेवा सेतु के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऑनलाइन आवेदन के बाद उन्हें बहुत कम समय में आय प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ, जिससे उनकी छात्रवृत्ति की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सकी। छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल एवं नागरिक-केंद्रित पहल सेवा सेतु ने शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों और विद्यार्थियों तक सरल, पारदर्शी एवं त्वरित तरीके से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पहल विद्यार्थियों सहित जिले के नागरिकों के लिए शासन की सेवाओं को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, 5 वाहन जब्त किए

रायपुर। ग्राम अछोटा, कोलियारी, अमेठी, परसुली एवं आसपास के क्षेत्रों में खनिज अमले द्वारा सघन जांच की गई। जांच के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 5 वाहनों को जब्त किया गया। जब्त वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार अर्थदण्ड वसूली की कार्रवाई की जा रही है। खबर पर खनिज विभाग द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्रों में जांच एवं कार्रवाई की गई है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 में 3 सितंबर 2026 तक खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के कुल 309 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन प्रकरणों में 89 लाख 64 हजार 281 रुपये का अर्थदण्ड वसूल कर खनिज मद में जमा कराया गया है तथा नियमानुसार प्रकरणों का प्रशमन किया गया है। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा निरंतर जांच एवं निगरानी की जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में आकस्मिक जांच के साथ ही प्राप्त शिकायतों के आधार पर भी कार्रवाई की जा रही है। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण की गतिविधियों को किसी भी स्थिति में प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन एवं व्यक्तियों के विरुद्ध प्रचलित प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभागीय अमला लगातार क्षेत्रीय निगरानी एवं जांच की कार्रवाई कर रहा है।

अवैध एवं असुरक्षित फ्लैक्स-बैनर से गंभीर दुर्घटना का खतरा, नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर ने शहर में लगाए जाने वाले फ्लैक्स एवं बैनर को लेकर नागरिकों, व्यापारियों एवं विज्ञापनदाताओं से जनहित एवं नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। शहर में बिना अनुमति लगाए गए अथवा असुरक्षित तरीके से लगाए गए फ्लैक्स एवं बैनर न केवल शहर की सुंदरता एवं व्यवस्थित स्वरूप को प्रभावित करते हैं, बल्कि नागरिकों के लिए गंभीर सुरक्षा जोखिम भी पैदा कर सकते हैं। विशेष रूप से कटे-फटे, ढीले अथवा कमजोर तरीके से लगाए गए फ्लैक्स एवं बैनर तेज हवा, बारिश एवं खराब मौसम में उड़कर या गिरकर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। सड़क एवं फुटपाथ के आसपास लगे ऐसे फ्लैक्स दो-पहिया एवं चार-पहिया वाहन चालकों की दृश्यता बाधित कर सकते हैं, जिससे सड़क दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। वहीं इनके गिरने अथवा उड़ने से पैदल यात्रियों को भी गंभीर चोट लगने का खतरा रहता है। अनधिकृत रूप से लगाए गए फ्लैक्स एवं बैनरों में उनके स्ट्रक्चर, फिक्सिंग, मजबूती एवं स्थापना स्थल की सुरक्षा का समुचित परीक्षण नहीं हो पाता। इसलिए इनका अनियंत्रित एवं असुरक्षित उपयोग जनसुरक्षा के लिए गंभीर समस्या बन सकता है। रायपुर नगर पालिक निगम ने नागरिकों, व्यापारियों एवं विज्ञापनदाताओं से अपील की है कि अवैध, कटे-फटे अथवा असुरक्षित फ्लैक्स एवं बैनर का उपयोग न करें। विज्ञापन के लिए केवल निजी अनुमति अथवा सरकारी अनुमति प्राप्त अधिकृत स्थानों का ही उपयोग किया जाए तथा निर्धारित नियमों एवं शुल्क का पालन किया जाए। शहर की सुंदरता और प्रचार से कहीं अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा है। अत: सभी से आग्रह है कि विज्ञापन लगाते समय स्थान, संरचना एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखें।

ऑपरेशन आघात में पुलिस का बड़ा प्रहार, 8 गांजा तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन आघात के तहत रायगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के 8 गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। लैलूंगा और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से 34 पैकेट में 34.865 किलो गांजा, एक टाटा सफारी, दो हुंडई औरा कार, एक स्कूटी और 8 मोबाइल फोन समेत कुल 61 लाख 53 हजार 200 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्रवाई का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को 3 सितंबर को सूचना मिली थी कि काले रंग की टाटा सफारी क्रमांक क्र70 ष्टस्र 0050 में बड़ी मात्रा में गांजा लेकर तस्कर ओडिशा से लैलूंगा-पत्थलगांव होते हुए उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने ग्राम कमरगा में नाकाबंदी की।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल दही हांडी उत्सव में हुए सम्मिलित

श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरणा लेकर प्रेम,भाईचारे को मजबूत करें-राजेश

- जशपुर के रंजीता स्टेडियम में उमड़ा आस्था और उत्साह का सैलाब, गोविंदाओं ने दिखाया साहस और सामूहिक शक्ति

रायपुर/ संवाददाता

भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, आस्था और उल्लास से सराबोर जशपुर के रंजीता स्टेडियम में आयोजित भव्य दही हांडी उत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल सम्मिलित हुए। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं और गोविंदा टोलियों की मौजूदगी में उत्सव का उल्लास देखते ही बना। पूरे स्टेडियम परिसर में भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने उत्सव में शामिल होकर श्रद्धालुओं और गोविंदाओं का उत्साहवर्धन किया तथा सभी को दही हांडी उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें प्रेम, करुणा, धर्म, कर्तव्य और लोककल्याण की प्रेरणा देता है। दही हांडी जैसे पारंपरिक उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के साथ समाज में एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। उत्सव का मुख्य आकर्षण गोविंदा टोलियों द्वारा दही हांडी फोड़ने का रोमांचक प्रदर्शन रहा। एक-दूसरे के कंधों पर चढ़कर ऊंचाई तक पहुंचते गोविंदाओं ने साहस, विश्वास, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का शानदार परिचय दिया। दही हांडी फूटते ही पूरा स्टेडियम 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष से गूंज उठा। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि दही हांडी केवल उत्सव और मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि सामूहिक शक्ति, सहयोग और विश्वास का प्रतीक है। जब समाज एकजुट होकर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ता है, तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी

हासिल किया जा सकता है। गोविंदाओं की टोली का प्रत्येक सदस्य एक-दूसरे पर विश्वास करते हुए सामूहिक प्रयास करता है और यही एकजुटता समाज की सबसे बड़ी ताकत है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और विविधतापूर्ण धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों से है। दही हांडी जैसे उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति हमारी पहचान है। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि इन परंपराओं को संरक्षित करते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेश में समाज को सही दिशा देने की अद्भुत शक्ति है। प्रेम, सद्भाव, कर्तव्य और लोककल्याण के उनके आदर्श आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। रंजीता स्टेडियम में महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्सव में शामिल हुए। गोविंदाओं की टोलियों के प्रदर्शन के दौरान दर्शकों का उत्साह देखते ही बना। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा, धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। ऐसे अवसरों पर लोग अपने मतभेद भुलाकर एक साथ उत्सव मनाते हैं। इससे आपसी सद्भाव, सहयोग और सामाजिक समरसता की भावना मजबूत होती है। हमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर प्रेम, शांति और भाईचारे को आगे बढ़ाना चाहिए। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने दही हांडी उत्सव के सफल आयोजन के लिए आयोजकों, गोविंदा टोलियों और उपस्थित श्रद्धालुओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत से मनोज एक्का की जॉब कार्ड संबंधी समस्या का समाधान...

- मोहनपुर में बना और जारी हुआ जॉब कार्ड, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों से जुड़ने का रास्ता हुआ आसान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में संचालित सीएम हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मोहनपुर निवासी श्री मनोज एक्का की जॉब कार्ड संबंधी समस्या का समाधान सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के बाद किया गया। श्री मनोज एक्का ने बताया कि वे पूर्व में ग्राम सोनपुर कला में निवास करते थे, जहां उनका जॉब कार्ड बना हुआ था। बाद में वे मोहनपुर में घर-जमाई के रूप में रहने लगे। निवास स्थान बदलने के बाद मोहनपुर में उनका जॉब कार्ड उपलब्ध नहीं था। इसके कारण उन्हें वर्तमान निवास क्षेत्र में ग्रामीण रोजगार से जुड़ी प्रक्रिया का लाभ लेने में कठिनाई हो रही थी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए जॉब कार्ड आवश्यक होने के

कारण श्री एक्का ने अपनी समस्या के निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन का सहारा लिया। श्री मनोज एक्का ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कर मोहनपुर में जॉब कार्ड बनाए जाने का अनुरोध किया। शिकायत संबंधित विभाग के संज्ञान में आने के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई। इसके पश्चात मोहनपुर में श्री एक्का का जॉब कार्ड तैयार कर जारी कर दिया गया। जॉब कार्ड जारी होने से अब श्री एक्का अपने वर्तमान निवास क्षेत्र में ग्रामीण रोजगार से संबंधित अवसरों से जुड़ सकेंगे। इससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी और परिवार की आजीविका को भी सहारा मिलेगा। लंबे समय से बनी समस्या का समाधान होने पर श्री मनोज एक्का ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि मोहनपुर में जॉब कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें परेशानी हो रही थी। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के बाद उनकी समस्या का समाधान हुआ और अब उनका जॉब कार्ड बनकर जारी हो चुका है। श्री एक्का ने समस्या के निराकरण के लिए शासन-प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने वाला व्यक्ति नहीं,बल्कि एक चरित्र और सोच का निर्माता

- 21 उत्कृष्ट शिक्षकों का किया सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि राष्ट्र के भविष्य निर्माण में गुरुजनों का योगदान अमूल्य है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के चरित्र और सोच का निर्माता होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयास विद्यालय तथा नर्सिंग महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है। शिक्षक ही समाज और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के सच्चे निर्माता होते हैं, जो ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के जीवन को आकार देते हैं। मंत्री श्री नेताम ने इस आशय के विचार शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बलरामपुर-रामानुजगंज जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम भवन में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह व्यक्त किए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, अनुशासन और अच्छे संस्कार भी विकसित करते हैं । वे बच्चों में स्वतंत्र सोच, रचनात्मकता और कुछ नया सीखने की जिज्ञासा को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण की धुरी बताते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन इस प्रकार करने का आह्वान किया कि वे समाज के लिए मिसाल बन सकें। समारोह में जिले के 21 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। ज्ञानदीप पुरस्कार से श्री श्याम सुंदर चौरगे (शिक्षक, शासकीय माध्यमिक शाला कोरवापारा, राजपुर), श्रीमती नीलीमा एक्का (शिक्षिका, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डौरा), श्री जवाहर लाल पैकरा (प्रधान पाठक, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिरई, शंकरगढ़) को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार शिक्षादूत पुरस्कार जिले के विभिन्न विकासखंडों के 18 शिक्षकों को उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा नेताम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती बबली देवी, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित थे।

फसल परिवर्तन से बढ़ा उत्पादन और मुनाफा-राजकुमार साहू.....

- बाम्हनपाली के किसान राजकुमार ने बरबटी और खीरा की खेती से कमाया 2.70 लाख रुपये का शुद्ध लाभ

रायपुर/ संवाददाता

कभी पारंपरिक तरीके से खेती कर सीमित लाभ प्राप्त करने वाले किसान राजकुमार साहू ने खेती में बदलाव और आधुनिक तकनीक अपनाकर बरबटी एवं खीरा की खेती से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया। इससे उन्होंने 2.70 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। उनकी यह सफलता क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक बन रही है। रायगढ़ जिले के खरसिया विकासखंड के ग्राम बाम्हनपाली निवासी किसान राजकुमार के पास 0.800 हेक्टेयर सिंचित भूमि है। पहले वे पारंपरिक तरीके से खेती करते थे, जिससे उन्हें लगभग 60

से 80 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था। इससे करीब 2.48 लाख रुपये की बिक्री होती थी और लगभग 78 हजार रुपये का लाभ प्राप्त होता था। खेती में नई तकनीक और बेहतर फसल प्रबंधन अपनाने के बाद उनका उत्पादन बढ़कर 100 से 120 क्विंटल तक पहुंच गया। इससे उन्हें 3.60 लाख रुपये की बिक्री प्राप्त हुई, जबकि उत्पादन में 90 हजार रुपये की लागत आई। लागत राशि घटाने के बाद उन्हें 2.70 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। इस तरह उनकी आय और लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। राजकुमार ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में फसल प्रबंधन किया तथा जैविक खाद एवं अनुशंसित दवाओं का उपयोग किया।

शराब पीने से मना करने पर पत्नी पर जानलेवा हमला,

रायपुर। मगरलोड थाना क्षेत्र के ग्राम भैंसमुंडी में घरेलू विवाद के दौरान पत्नी पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने शराब पीने से मना करने की बात पर पत्नी के सिर पर लोहे के हथौड़े से कई वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त लोहे का हथौड़ा और अन्य महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार 2 सितंबर 2026 की रात ग्राम भैंसमुंडी निवासी चम्मन लाल साहू (36) शराब के नशे में घर पहुंचा था। शराब पीने से मना करने की बात को लेकर उसका अपनी पत्नी किरण साहू से विवाद हो गया।

स्थानीय कलाकारों को मंच देना आयोजन का प्रमुख उद्देश्य

लोकधुनों और लोकनृत्यों से सजा 'लोकरंग पर्व',भरथरी गाथा ने बांधा समां

- तीन दिवसीय आयोजन में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपराओं का जीवंत प्रदर्शन, नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का संदेश

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, लोकगायन और लोकनृत्य की विविध परंपराओं को संरक्षित करने और कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'लोकरंग पर्व' का रविवार को रायपुर स्थित मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर में भव्य शुभारंभ हुआ। 6 से 8 सितंबर तक चलने वाले इस आयोजन में प्रदेश की पारंपरिक लोकविधाओं की विविध रंगत देखने को मिल रही है। कार्यक्रम के पहले दिन मुक्ताकाशी मंच पर छत्तीसगढ़ी लोकधुनों और पारंपरिक लोकगाथाओं ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक लोकसंस्कृति की जीवंत दुनिया से जुड़ते नजर आए। आयोजन की शुरुआत भरथरी गाथा की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद कलाकारों ने पंडवानी, देवार गीत और भरथरी गाथा सहित विभिन्न लोकविधाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। लोकरंग पर्व में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकविधाओं से जुड़े कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है। आयोजन में भरथरी गाथा, देवार गीत, करमा नृत्य, सरहुल, लोरिक-चंदा, ददरिया, पंडवानी और पंथी जैसी विविध लोककलाओं की प्रस्तुतियां शामिल हैं। पहले दिन सुश्री दुर्गा साहू ने पंडवानी, श्रीमती पूनम तिवारी ने देवार गीत तथा सुश्री अरुणिमा शर्मा ने भरथरी गाथा की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कलाकारों की प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की लोकजीवन की संवेदना, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम के संचालक एवं संस्कृति एवं पुरातत्व

संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि स्थानीय मंचों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोकविधाओं से जुड़े कलाकारों को प्रोत्साहन मिलता है और उन्हें अपनी कला के प्रदर्शन का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन प्रदेश की 'सुघर' संस्कृति, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के साथ युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोककलाएं केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनमें प्रदेश के इतिहास, सामाजिक जीवन, लोकविश्वास और सामुदायिक परंपराओं की गहरी छाप दिखाई देती है। ऐसे आयोजनों के जरिए इन परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। लोकरंग पर्व के शुभारंभ अवसर पर संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे, उपसंचालक श्री उमेश मिश्रा, छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कवि मीर अली मीर, बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता पड्डा , वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार श्री दीपेंद्र दीवान, साहित्यकार श्री विजय मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कला-संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे। तीन दिवसीय लोकरंग पर्व 8 सितंबर तक चलेगा। आगामी दिनों में भी छत्तीसगढ़ की विभिन्न लोकविधाओं से जुड़े कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। आयोजन के माध्यम से रायपुरवासियों को प्रदेश की पारंपरिक लोककलाओं, लोकसंगीत, लोकगाथाओं और लोकनृत्यों की विविधता को करीब से देखने और सुनने का अवसर मिल रहा है। मुक्ताकाशी मंच पर सजी यह सांस्कृतिक संध्या छत्तीसगढ़ की उस लोकपरंपरा की तस्वीर प्रस्तुत कर रही है, जिसमें माटी की महक, लोकजीवन की सहजता और पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक विरासत एक साथ दिखाई देती है।

संपादकीय

नेपाल-तिब्बत की विनाशकारी बाढ़ से सबक- हिमनद झीलों को नजरअंदाज करना पड़ेगा भारी

नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हिमनद टूटने और ग्लेशियल झीलों के बढ़ते खतरे के बीच भारत के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम जैसे हिमालयी राज्यों के लिए भी यह बड़ी चेतावनी है। नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ के कारणों का विश्लेषण और नतीजों का आकलन अभी जारी रहेगा, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर इस जरूरत को रेखांकित किया है कि आशंकाओं की अनदेखी या उसके प्रति उदासीनता का परिणाम क्या हो सकता है। नेपाल का जो समूचा इलाका हिमनद टूटने की वजह से तबाह हो गया, जानमाल की व्यापक क्षति हुई, उसका आम लोग भले ही ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सके होंगे, लेकिन सरकार की नजर स्थानीय उथल-पुथल के संकेतों पर रहनी चाहिए थी।साथ ही अन्य देशों में ऐसी स्थितियों के असर की आशंका हो, तो वहां की एजंसियों के साथ तालमेल से कुछ एहतियाती कदम उठाए जा सकते थे। खासतौर पर तब, जब नेपाल-तिब्बत के इस इलाके में बर्फ और चट्टानों वाला हिमस्खलन होने और उसकी वजह से बाढ़ आने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। ऐसे में सावधानी बरतना एक नियमित तकाजा था। हालांकि यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, लेकिन अगर अचानक उपजने वाले खतरों को ध्यान में रख कर बचाव के पूर्व-इंतजाम किए जाएं, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।जाहिर है, अब नेपाल को अगले कुछ समय तक के लिए तबाह हो गए इलाकों में बचे-खुचे को संभालने, लापता लोगों की खोज, पुनर्वास और पुनर्निर्माण को लेकर कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बेशक वह अपने स्तर पर यह सब करने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसे समय में दूसरे देशों की सहायता भी काफी मायने रखती है। प्रभावित सभी इलाकों में हुए नुकसान का आकलन सामने आने के बाद पूरी तस्वीर साफ होगी, लेकिन फिलहाल नेपाल के वित्त मंत्री का कहना है कि इस प्रलयंकारी बाढ़ से हुई क्षति की भरपाई के लिए देश को चार-पांच अरब डालर की जरूरत होगी। यह समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर पहले ही कई तरह के दबाव झेल रहे नेपाल के सामने अब इस त्रासदी की वजह से जो मुश्किल पैदा होगी, उससे निपटना उसके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन करने की जरूरत है कि व्यापक तबाही वाली इस बाढ़ की प्रकृति, रफ्तार और नुकसान पहुंचाने का दायरा इतना अलग क्यों था और इसकी वजहें क्या होंगी।दरअसल, इस आपदा का जो स्वरूप सामने आया, उसे समझना न केवल नेपाल, बल्कि उससे सटे देशों के लिए भी इसलिए जरूरी है कि अगर इसका दायरा और बड़ा हुआ तो इसकी जद में खासतौर पर भारत के भी कई इलाके आएंगे।

भारत में मखाने के इस विशाल साम्राज्य का मुख्य केंद्र बिहार राज्य है, जो देश के कुल मखाना उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान देता है। उत्तर बिहार के दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, कटिहार, पूर्णिया और सहरसा जैसे मिथिलांचल के जिले मखाना खेती के गढ़ माने जाते हैं। यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ, उथले पानी के तालाब, दलदली भूमि और अनुकूल आर्द्र जलवायु मखाने के पौधे के विकास के लिए अत्यंत आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं। बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी मखाने की खेती का दायरा तेजी से फैल रहा है।

मखाना-भारत के पारंपरिक उत्पाद से वैश्विक सुपरफूड बनने का स्वर्णिम सफर

(डॉ. दीपक कोहली)

आधुनिक दुनिया में जब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता चरम पर है और लोग प्रसंस्कृत अथवा जंक फूड के विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, तब मखाना एक बेहतरीन प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प बनकर उभरा है। मखाने में प्रचुर मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, घुलनशील और अघुलनशील फाइबर तथा जटिल कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं।

भारत में सदियों से व्रत-त्योहारों और पारंपरिक खान-पान का हिस्सा रहा मखाना अब महज एक साधारण खाद्य पदार्थ नहीं रह गया है, बल्कि यह दुनिया भर में स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक लोगों की पहली पसंद बनकर एक वैश्विक सुपरफूड के रूप में उभर रहा है। फॉक्स नट्स, कमल गट्टा या वैज्ञानिक नाम यूरीअल फेरोक्स के नाम से जाना जाने वाला यह प्राकृतिक उपहार अपनी अद्वितीय न्यूट्रिशनल प्रोफाइल, कम कैलोरी और समृद्ध स्वास्थ्य लाभों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में धूम मचा रहा है। भारतीय कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में मखाने ने हाल के वर्षों में जो छलांग लगाई है, वह न केवल भारत की पारंपरिक कृषि शक्ति को दर्शाती है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसान कल्याण और निर्यात संवर्धन के क्षेत्र में भी एक नए स्वर्णिम युग का सूत्रपात कर रही है। भारत दुनिया भर में मखाना उत्पादन में एकछत्र वर्चस्व रखता है और वैश्विक आपूर्ति का अधिकांश हिस्सा अकेले भारत से आता है। देश में मखाने के उत्पादन में लगातार ऐतिहासिक वृद्धि देखने को मिल रही है। उत्पादन में इस उल्लेखनीय उछाल के साथ-साथ उत्पादकता के मोर्चे पर भी देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। प्रति हेक्टेयर उपज में हुई यह वृद्धि वैज्ञानिक खेती, उन्नत किस्म के बीजों और किसानों की कड़ी मेहनत का प्रत्यक्ष परिणाम है।

भारत में मखाने के इस विशाल साम्राज्य का मुख्य केंद्र बिहार राज्य है, जो देश के कुल मखाना उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान देता है। उत्तर बिहार के दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, कटिहार, पूर्णिया और सहरसा जैसे मिथिलांचल के जिले मखाना खेती के गढ़ माने जाते हैं। यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ, उथले पानी के तालाब, दलदली भूमि और अनुकूल आर्द्र जलवायु मखाने के पौधे के विकास के लिए अत्यंत आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं। बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी मखाने की खेती का दायरा तेजी से फैल रहा है। मखाने का भौगोलिक महत्व इस बात से भी सिद्ध होता है कि बिहार के मखाने को भौगोलिक संकेत यानी जीआई टैग प्राप्त हो चुका है, जिसने इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रामाणिकता और पहचान को एक नया आयाम दिया है।

आधुनिक दुनिया में जब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता चरम पर है और लोग प्रसंस्कृत अथवा जंक फूड के विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, तब मखाना एक बेहतरीन प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प बनकर उभरा है। मखाने में प्रचुर मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, घुलनशील और अघुलनशील फाइबर तथा जटिल कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं। इसके साथ ही यह मैग्नीशियम, पोटैशियम, फास्फोरस, कैल्शियम और आयरन जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें सोडियम की मात्रा बेहद कम होती है, यह पूरी तरह से वसा-मुक्त और कोलेस्ट्रॉल-मुक्त होता है, तथा इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी काफी कम होता है। इन विशेषताओं के कारण यह मधुमेह रोगियों, हृदय रोगियों, उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्तियों और वजन कम करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक आदर्श आहार माना जाता है। इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट्स असमय बुढ़ापे को रोकने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं। शाकाहारी और वीगन जीवनशैली अपनाने वाले लोगों के लिए मखाना प्रोटीन का एक अत्यंत सुलभ और स्वस्थ स्रोत बनकर उभरा है।

मखाने की यात्रा खेत के दलदल से निकलकर डाइनिंग टेबल तक पहुँचने में कई जटिल और श्रमसाध्य चरणों से होकर गुजरती है, जो इसकी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का निर्माण करती है। इसकी प्रक्रिया प्राथमिक और द्वितीयक दो स्तरों पर होती है। प्राथमिक स्तर पर किसान और मजदूर बेहद विषम परिस्थितियों में पानी के भीतर उतरकर तालाब की तलहटी से मखाने के कटीले बीजों की कटाई और संग्रहण करते हैं। इसके बाद इन बीजों को साफ किया जाता है और धूप में सुखाया जाता है। इसके पश्चात द्वितीयक प्रसंस्करण शुरू होता है, जिसमें सूखे बीजों को मिट्टी या लोहे की कड़ाही में उच्च तापमान पर भुना जाता है। भुनाई के तुरंत बाद लकड़ी के हथौड़ों से मारकर बीजों को फोड़ा जाता है, जिससे उनके भीतर का सफेद और हल्का गुदा बाहर आ जाता है और हमें हमारा परिचित पॉप्ड मखाना प्राप्त होता है। इसके बाद मखाने की ग्रेडिंग, साइजिंग, पॉलिशिंग और पैकेजिंग की जाती है। मखाने के आकार और सफेदी के आधार पर उसकी बाजार कीमत तय होती है, जहाँ बड़े आकार के मखाने को प्रीमियम श्रेणी में रखा जाता है।

वैश्विक बाजार में भारत का मखाना अपनी गुणवत्ता और विशिष्टता के बल पर तेजी से अपनी पैठ बना रहा है। भारत हर वर्ष अपने कुल मखाना उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा दुनिया के विभिन्न देशों में निर्यात करता है। भारत के मखाना निर्यात का एक बड़ा हिस्सा विकसित देशों में जाता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश प्रमुख हैं। ये देश भारत से बड़े पैमाने पर मखाना आयात करते हैं। इसके अतिरिक्त यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और मध्य पूर्व के देशों में भी क्लीन-लेबल और प्लांट-बेस्ड सुपरफूड के रूप में भारतीय मखाने की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। फ्लेवर्ड मखाना, जैसे चीज़ी, रोस्टेड, पेरी-पेरी और मखाना पाउडर के रूप में मूल्य संवर्धित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं को अत्यधिक आकर्षित कर रहे हैं।

मखाना क्षेत्र के इस विशाल सामर्थ्य और रणनीतिक महत्व को पहचानते हुए भारत सरकार ने इसके सर्वांगीण विकास के लिए कई दूरगामी और संरचनात्मक पहल की हैं। मखाने के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, आधुनिक प्रसंस्करण तकनीक लाने और किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के उद्देश्य से सरकार ने विशेष योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। यह महत्वाकांक्षी प्रयास वैज्ञानिक अनुसंधान, उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की सुलभता, किसानों के कौशल विकास, कटाई के बाद के नुकसान को रोकने, स्वचालित पॉपिंग और ग्रेडिंग मशीनों की स्थापना, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात संवर्धन पर विशेष रूप से केंद्रित हैं। इन योजनाओं के माध्यम से देश भर के हजारों किसान सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा ने इस क्षेत्र को संस्थागत मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

जैसे-जैसे वैश्विक स्तर पर मखाने की मांग बढ़ रही है, घरेलू बाजार में भी इसके मूल्य और व्यावसायिक परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव देखे जा रहे हैं। घरेलू स्तर पर मखाना बाजार अत्यंत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में भारत का मखाना उद्योग एक विशाल वित्तीय आकार ले लेगा। इस बढ़ती मांग के चलते मखाने की कीमतों में भी भारी उछाल आया है, जिससे किसानों और व्यापारियों के लिए यह फसल अत्यधिक लाभदायक सिद्ध हो रही है। पारंपरिक रूप से उपेक्षित रहने वाला यह क्षेत्र अब एफएमसीजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और कृषि-उद्यमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। आधुनिक पैकेजिंग, संगठित खुदरा श्रृंखलाओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने मखाने को दूर-दराज के इलाकों तक पहुँचा दिया है।

हालाँकि इस अपार सफलता के बावजूद मखाना क्षेत्र के सामने कई चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। पारंपरिक तालाब आधारित खेती में शारीरिक श्रम की अत्यधिक आवश्यकता होती है और पानी के अंदर से बीज निकालना बेहद कठिन काम है, जिससे श्रम की कमी एक बड़ी बाधा बनती जा रही है। इसके अलावा प्राथमिक प्रसंस्करण का पारंपरिक और अमशीनीकृत होना, भंडारण की अपर्याप्त सुविधा और मूल्य श्रृंखला में बिचौलियों का प्रभाव किसानों के मुनाफे को प्रभावित करता है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा मखाने की खेत आधारित वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बिहार के 'सहयोग मॉडल' से बाकि राज्यों को भी सीखने की जरूरत

(संजीव कुमार मिश्र)

छात्रों की शिकायतें अक्सर लंबे समय तक अनसुलझी रहती हैं, इसकी बड़ी वजह प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता है। किसी छात्र को हॉस्टल की सफाई, भोजन की गुणवत्ता, बिजली-पानी या फीस से जुड़ी दिक्कत होने पर पहले वार्डन, फिर प्रिंसिपल और जरूरत पड़ने पर जिला शिक्षा कार्यालय तक जाना पड़ता है।

क्या किसी सरकारी स्कूल या हॉस्टल में गंदा पानी, खराब खाना या बिजली की किल्लत जैसी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान 30 दिन के भीतर पाना संभव है?...जहां देश के अधिकांश राज्यों में छात्र ऐसी बुनियादी सुविधाओं के लिए महीनों प्रशासनिक चक्कर काटने या सड़कों पर उतरने को मजबूर होते हैं, वहीं बिहार सरकार ने एक पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था से इस धारणा को बदलने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा शुरू की गई इस नई पहल ने छात्र शिकायतों के निपटारे का एक ऐसा मॉडल पेश किया है, जिसकी गूंज अब देश भर में सुनाई दे रही है।

छात्रों की शिकायतें अक्सर लंबे समय तक अनसुलझी रहती हैं, इसकी बड़ी वजह प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता है। किसी छात्र को हॉस्टल की सफाई, भोजन की गुणवत्ता, बिजली-पानी या फीस से जुड़ी दिक्कत होने पर पहले वार्डन, फिर प्रिंसिपल और जरूरत पड़ने पर जिला शिक्षा कार्यालय तक जाना पड़ता है। इस प्रक्रिया में न तो कोई तय समयसीमा होती है और न ही स्पष्ट जवाबदेही तय होती है, जिस वजह से छोटी शिकायतें भी हफ्तों-महीनों तक लंबित रह जाती हैं।

बिहार सरकार के विद्यार्थी सहयोग पोर्टल की खासियत यह है कि शिकायत दर्ज कराने के लिए दो अलग कैटेगरी बनाई गई हैं – पहली, शैक्षणिक संस्थान यानी विद्यालय, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से संबंधित विद्यार्थियों के लिए, और दूसरी, छात्रावास यानी हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए। पोर्टल के होमपेज पर ही यह दोनों विकल्प दिए गए हैं, जिससे छात्र सही कैटेगरी चुनकर सीधे संबंधित फॉर्म तक पहुंच जाता है। कैटेगरी चुनने के बाद छात्र के सामने एक सीधा-सादा फॉर्म खुलता है, जिसमें नाम, लिंग, पिता का नाम, जन्म तिथि और मोबाइल नंबर जैसी बुनियादी जानकारी भरनी होती है। ईमेल आईडी को वैकल्पिक रखा गया है, ताकि जिन छात्रों के पास ईमेल नहीं है वे भी शिकायत दर्ज करा सकें, जबकि मोबाइल नंबर को ओटीपी से वेरिफाई किया जाता है ताकि हर शिकायत असली छात्र की ओर से ही दर्ज हो।

पोर्टल पर छात्रों के लिए तीन सुविधाएं दी गई हैं। शिकायत दर्ज कराने का विकल्प हॉस्टल सुविधाओं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा और बिजली से जुड़ी समस्याओं के लिए है। इसके अलावा छात्र व्यवस्था सुधारने से जुड़े अपने सुझाव भी साझा कर सकते हैं, और सबसे अहम बात यह कि एक बार शिकायत दर्ज करने के बाद छात्र उसकी मौजूदा स्थिति और उस पर हुई कार्रवाई को ट्रैक भी कर सकता है। पोर्टल पर सबसे ज्यादा दर्ज होने वाली शिकायतों को भोजन, पेयजल, बिजली, शौचालय-सफाई, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और इंटरनेट जैसी कैटेगरी में पहले से बांटा गया है, जिससे शिकायत सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचती है और निपटारे में देरी नहीं होती।

पोर्टल पर दर्ज हर शिकायत का 30 दिनों के भीतर निपटारा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है।

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है।

(ललित गर्ग)

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है। इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए। नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरुआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है। नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं। दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

फरसगांव, कोतवाली कोंडागांव के मामले में 25-30 लाख रूपये के ठगी करने वाले 2 आरोपियों को पकड़ने में फरसगाँव पुलिस को मिली अभूतपूर्व सफलता

कोण्डागांव। फरसगांव, कोंडागांव पुलिस को फरसगांव एवं कोंडागांव थाना क्षेत्र के पीड़ितों से पुलिस विभाग में बस्तर फाइटर एवं जिला बल में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह मुख्य सरगना एवं उसके एक अन्य साथी को पकड़ने में अभूतपूर्व सफलता हासिल हुई है। प्रार्थी' यशवंत नेताम निवासी पतोड़ा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके और इनके साथ राजेंद्र नेताम निवासी भंडार शिवनी के द्वारा इसके साथ एवं इसके अन्य पांच साथियों के साथ आरोपी शत्रुघ्न टंडन निवासी मस्तूरी एवं उसके अन्य साथियों द्वारा पुलिस विभाग में अपना उच्च अधिकारियों से पहचान बताकर पुलिस विभाग में बस्तर फाइटर एवं जिला बल में नौकरी लगाने के नाम पर रकम 14 लाख रुपए ठगी करने रिपोर्ट पर थाना फरसगांव में अपराध कमाक 49/2024 धारा 420,34 भादवि0 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। 'प्रार्थी' पंचू राम कोर्राम पिता समारू राम कोर्राम उम्र 25 वर्ष निवासी आलोर थाना फरसगांव एवं उसके अन्य एक साथी द्वारा आरोपी शत्रुघ्न टंडन निवासी मस्तूरी एवं उसके अन्य साथियों द्वारा उससे पुलिस विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर रकम 03 लाख रुपए धोखाधड़ी करने केरिपोर्ट पर थाना फरसगांवं में अपराध क्रमांक 98/2026 धारा 318 (4),3(5) बीएनएस, पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रार्थी' जगदीश मंडावी पिता रतनराम मंडावी उम्र 50 वर्ष निवासी खेतरपाल थाना फरसगांव द्वारा उसके साथ एवं एक अन्य लोगों के साथ आरोपी शत्रुघ्न टंडन निवासी मस्तूरी जिला बिलासपुर एवं उसके अन्य साथियों द्वारा पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर रकम 05 लाख रुपए की ठगी करने के रिपोर्ट पर थाना केशकाल में अपराध क्रमांक 99/2026 धारा 318(4),3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। 'प्रार्थी' सूरज लाल नेताम पिता तिहारूराम नेताम उम्र 40 वर्ष निवासी गहिरबहार बानगांव थाना फरसगांव द्वारा आरोपी शत्रुघ्न टंडन निवासी मस्तूरी एवं उसके अन्य साथियों द्वारा पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर रकम 03 लाख ठगी धोखाधड़ी करने के संबंध मे रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कोंडागांव में अपराध कमांक 275/2026 धारा 318 (4) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपीगण गिरोह के रूप से कई वर्षों से धोखाधडी ठगी के अपराध में संलिप्त है। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार 02 आरोपीगणों द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ फरसगांव एवं कोतवाली कोंडागांव थाना क्षेत्र के भोले भाले स्थानीय बेरोजगार युवाओं को पुलिस विभाग में बस्तर फाइटर एवं जिला बल में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करते हुए रकम लेकर ठगी करते थे। यह इस क्षेत्र की स्थानीय लोगों को शिकार बनाते हुये प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ जिला कोण्डागांव क्षेत्र के फरसगांव, कोतवाली कोंडागांव एवं अन्य क्षेत्रों बेरोजगार युवाओं से उनके आधार कार्ड,अंक सूची,स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र,जाति प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज लेकर उन्हें अपना पुलिस विभाग में ऊंचे लोगों एवं वरिष्ठ अधिकारियों से पहचान बताकर उनके माध्यम से एडवांस में रकम लेकर शेष रकम नौकरी लगने के बाद देना बताकर एडवांस का रकम लेकर फरार हो जाते थे। इन आरोपियों के द्वारा करीबन 15 पीड़ितों के साथ लगभग 25-30 लाख रुपए की ठगी की गई है। प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा (पै) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अभिनव उपाध्याय एवं एसडीओपी कोंडागांव रुपेश कुमार के कुशल पर्यवेक्षक एवं नेतृत्व में लगभग तीन महिनों तक लगातार सभी पीड़ितों के बैंक खातों, दस्तावेजों, पीड़ितों के खातों से रकम भेजे गये आरोपी के खातों का विश्लेषण किया गया। विश्लेषण बाद आरोपी खातों एवं आरोपियों का चिन्हांकन कर आरोपियों के घर पकड़ गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी फरसगांव निरीक्षक चन्द्रशेखर श्रीवास एवं थाना प्रभारी कोंडागांव निरीक्षक सौरव उपाध्याय के नेतृत्व में पृथक-पृथक टीम तैयार कर आरोपियों की पतासाजी की गयी। थाना फरसगांव एवं कोंडागांव द्वारा गठित टीमों द्वारा आरोपियों के पता साजी दौरान आरोपियों के द्वारा पुलिस को चकमा देकर फरार होने का प्रयास किया जाता रहा परंन्तु आरोपीयों के प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में भाग जाने के बावजूद भी पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के खातों के विश्लेषण से प्राप्त पतों के आधार पर उनके ठिकानों पर दबिश दी गयी एवं मोबाईल नंबरों के तकनीकि विश्लेषण एवं लोकेशन के आधार पर घर पकड़ करते हुये आरोपी शत्रुघ्न टंडन को देवरीखुर्द तोरवा बिलासपुर से एवं भूधसिंह मरकाम को भारीपारि फरसगांव से गिरफ्तार कर विधिवत् वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

बाबा साहेब अम्बेडकर सेवा संस्था कोंडागांव सहयोग अभियान

कोण्डागांव। कोंडागांव बाबा साहेब अम्बेडकर सेवा संस्था कोंडागांव द्वारा कार्यालय उप संचालक जिला समाज कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन कोंडागांव के सहयोग से ग्राम पंचायत दुधगांव निवासी 72 वर्षीय सहदेव कोर्राम को श्रवण यंत्र की आवश्यकता होने पर श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारीगण उपस्थित होकर व्यक्तिगत रूप से हितग्राही को परिजन की उपस्थिति में प्रदाय किया गया । उल्लेखनीय है , कि बाबा साहेब अम्बेडकर सेवा संस्था कोंडागांव द्वारा दिव्यांगजनों को आवश्यकता अनुरूप सहायक यंत्रों को समय-समय पर उपलब्ध कराया जाता है। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी मुकेश मार्कंडेय, संदीप कोर्राम, संदीप वासनिकर, सिद्धार्थ वीके, हरीश देवगन ,उपस्थित रहे।

शासकीय हाई स्कूल कोड़ेनार में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस, साइबर क्राइम पर दी गई जानकारी

किरंदुल। शासकीय हाई स्कूल कोड़ेनार नंबर 01 किरंदुल में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 05 सितंबर शनिवार को हर्षोल्लास के साथ शिक्षक दिवस मनाया गया।इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। बच्चों ने अपने गुरुओं का सम्मान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।इसी क्रम में किरंदुल थाना प्रभारी एवं एएसआई अनीता चौधरी द्वारा विशेष रूप से उपस्थित होकर बच्चों को वर्तमान समय के गंभीर विषय साइबर क्राइम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।उन्होंने बच्चों को मोबाइल,इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी से बचने के उपायों के बारे में जागरूक किया।विद्यालय के शिक्षकों ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

हरियाली के साथ रोजगार की नई राह

वीबीजीरामजी योजना अंतर्गत बावनपुरी में 5,500 पौधों का रोपण, 2,667 मानव दिवस रोजगार का सृजन

कोण्डागांव। केंद्र शासन की विकसित भारत-जी राम जी योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनके गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराने के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संवर्धन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से जनपद पंचायत बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बीरापारा के ग्राम बावनपुरी में देखने को मिल रही है। यहां समुदाय के लिए पंक्तिबद्ध मिश्रित वृक्षारोपण कार्य के तहत 5 हेक्टेयर क्षेत्र में 5,500 पौधों का रोपण किया गया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को इस कार्य की क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। वृक्षारोपण के माध्यम से जहां क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने की दिशा में पहल की गई है, वहीं ग्रामीणों के लिए रोजगार का स्थायी अवसर भी तैयार हुआ है। इस वृक्षारोपण परियोजना के तहत लगभग 11 लाख रुपये की लागत से 2,667 मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ है। इसमें ग्रामीण श्रमिकों को 300 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी उपलब्ध कराई जा रही है। इस प्रकार वृक्षारोपण कार्य ग्रामीण परिवारों के लिए आय का जरिया बनने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में उनकी प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है। मिश्रित वृक्षारोपण के माध्यम से 13 प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया है। आने वाले वर्षों में इन पौधों के वृक्षों का रूप लेने से क्षेत्र की हरियाली में वृद्धि होगी। साथ ही यह पहल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, मिट्टी एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा जैव विविधता के संरक्षण में भी सहायक होगी। शासन की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।
इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार के लिए अन्य स्थानों पर निर्भरता कम करते

विकासखंड कुआकोंडा के शिक्षकों ने बढ़ाया विकासखंड का गौरव

किरंदुल। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर विकासखंड कुआकोंडा के लिए गौरव और हर्ष का अद्भुत संगम देखने को मिला। विकासखंड के शिक्षकों ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं और उल्लेखनीय कार्यों के बल पर संभाग एवं जिला स्तर पर सम्मान प्राप्त कर पूरे विकासखंड को गौरवान्वित किया हैं।यह उपलब्धि खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया के कुशल मार्गदर्शन में संभव हुई है,जिनके नेतृत्व में विकासखंड कुआकोंडा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता और नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है। संभाग स्तर पर सम्मानित होने वाले शिक्षकों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुआकोंडा की प्राचार्य शेफाली भदौरिया और प्राथमिक शाला हितावर की प्रधान पाठक दुर्गा राठौर शामिल हैं। दोनों ही शिक्षिकाओं ने अपने समर्पण और नवाचारी प्रयासों से शिक्षा की गुणवत्ता को नया आयाम दिया है।वहीं जिला स्तर पर मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव तीन शिक्षकों को प्राप्त हुआ। प्राथमिक शाला गुज्जापारा पेरपा की सहायक शिक्षक दीप्ति साहू, आश्रम शाला अरनपुर के सहायक शिक्षक रूपेंद्र ठाकुर और प्राथमिक शाला पेंटा के प्रधान अध्यापक बनमाली सिंह ठाकुर को इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। इन सभी सम्मानित शिक्षकों को सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया ने कहा कि विकासखंड कुआकोंडा के शिक्षकों द्वारा संभाग एवं जिला स्तर पर सम्मान प्राप्त करना हम सभी के लिए अत्यंत गौरव एवं प्रसन्नता का विषय है। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि कुआकोंडा के समस्त शिक्षकों की मेहनत, समर्पण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।मैं सभी सम्मानित शिक्षकों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। मुझे विश्वास है कि उनकी यह उपलब्धि विकासखंड के अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। हम सभी मिलकर कुआकोंडा की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। शिक्षक समाज के निर्माता हैं और उनका सम्मान वास्तव में शिक्षा एवं समाज के भविष्य का सम्मान है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज राठौर और खंड स्रोत समन्वयक रत्तू राम राणा ने भी सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी।

कोंडागांव में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम, नगर में निकली भव्य शोभायात्रा, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

कोण्डागांव। पूरे देश की तरह कोंडागांव में भी आज शुक्रवार 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर यादव समाज गोवर्धन सेवा समिति द्वारा श्रीराधा कृष्ण मंदिर में भव्य जन्माष्टमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। वहीं दोपहर को श्रीराधा कृष्ण मंदिर से नगर के मुख्य मार्गों पर एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। शोभायात्रा में पारंपरिक राउत नाचा का आयोजन भी किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह का विशेष आकर्षण खींचा। सैकड़ों की संख्या में यादव समाज के सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए, वहीं नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल एवं भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष कुलवंत चहल सहित बड़ी संख्या में नगरवासियों ने भी भाग लेकर आयोजन को भव्यता प्रदान की। शहर में चारों ओर भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। शाम 4 बजे संपन्न हुई शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को उल्लासपूर्वक मनाया।

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह आयोजित

कोण्डागांव। शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह का आयोजन शनिवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिले के 20 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए अतिथियों द्वारा शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया और सम्मान राशि का चेक भी प्रदान किया गया। साथ ही सेवानिवृत्त शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक नीलकंठ टेकाम ने सर्वप्रथम महान दार्शनिक एवं आदर्श शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन किया। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के समय में शिक्षकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। शिक्षक के पास जितना ज्ञान है, उसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का गौरव और सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को आशीर्वाद दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उनके देश के प्रति 25 वर्षों के सेवा, समर्पण और योगदान को स्मरण करते हुए एक माह तक सेवा

श्री राघव मंदिर में मातृ-आस्था का अद्भुत संगम, हलषष्ठी पूजन में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

किरंदुल। जहां मां की प्रार्थना में संतान का मंगल हो, वहां आस्था स्वयं पूजा बन जाती है – इसी भावना का दिव्य दृश्य बुधवार 2 सितंबर 2026 को बैलाडीला स्थित नगर के आस्था धाम श्री राघव मंदिर में देखने को मिला, जहां हलषष्ठी (हलछठ) पर्व पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव से मनाया गया। श्री राम जन कल्याण सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित सामूहिक पूजन में नगर की बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने पारंपरिक वेशभूषा और पूजन थाली के साथ सहभागिता की। मंदिर के प्रधान पुजारी पं. सत्येन्द्र प्रसाद शुक्ला ने विधि-विधान से हलषष्ठी माता का पूजन और सामूहिक व्रत-कथा का वाचन कराया। संतान की दीर्घायु, आरोग्यता, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य की कामना से व्रती माताओं ने श्रद्धापूर्वक पूजा की। एक साथ बैठकर पूजन करती माताओं का दृश्य मातृत्व की गरिमा और निःस्वार्थ प्रेम को जीवंत कर रहा था। पूरे मंदिर परिसर में भजन, मंत्रोच्चार और जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजकों ने सभी माताओं-बहनों के अनुशासन और उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि मातृशक्ति की यही सहभागिता हमारी सनातन परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत रखती है। अंत में हलषष्ठी माता से समस्त किरंदुल नगर परिवार की संतानों के स्वस्थ, संस्कारवान और दीर्घायु जीवन तथा सभी परिवारों में सुख-शांति की मंगलकामना की गई।

सुकमा ऑडिटोरियम में शिक्षक दिवस: 'स्क्रीन टाइम को बनाएं स्टडी टाइम' बस्तर के जांबाज शिक्षकों के जज्बे को सलाम

सुकमा। सुकमा के जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस का आयोजन महज औपचारिकता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भावी पीढ़ी के डिजिटल मार्गदर्शन और बस्तर के दुर्गम अंचलों में ज्ञान की अलख जगाने वाले शिक्षकों के सम्मान का मंच बना। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए आयोजित इस समारोह में वक्ताओं ने तकनीक, अनुशासन और शिक्षकों के त्याग पर विचार साझा किए।

सोशल मीडिया आपका वक्त न छीने: दीपिका शोरी

दीपिका शोरी ने विद्यार्थियों को वर्तमान डिजिटल दौर की हकीकत से रूबरू कराया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे स्थायी पूंजी है। लक्ष्य निर्धारण पर बल देते हुए उन्होंने छात्रों को आत्ममंथन की सलाह दी। उपयोग बनाम दुरुपयोग- छात्र यह समझें कि वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं या सोशल मीडिया उनके समय पर हावी हो रहा है। ज्ञान का माध्यम- YouTube और Google जैसे डिजिटल मंच भटकाव के बजाय लक्ष्य हासिल करने के मजबूत औजार बनने चाहिए। कलेक्टर अमित कुमार ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षक की भूमिका किताबों से परे एक व्यक्तित्व गढ़ने की होती है। उन्होंने बस्तर के जमीनी संघर्ष को रेखांकित करते हुए कहाः चुनौतियों के बीच शिक्षा सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा जैसे नक्सल प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में जहां हालात सबसे कठिन थे, वहां शिक्षकों ने शिक्षा की लौ बुझने नहीं दी। शहादत को नमन- उन्होंने कर्तव्य पथ पर प्राण न्योछावर करने वाले शिक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकतंत्र के प्रहरी- कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में निर्भीक होकर चुनावी जिम्मेदारियां निभाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए शिक्षकों के योगदान को सराहा। सफलता की नींव में गुरु का हाथ- एसपी मयंक गुर्जर पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने कहा कि औपचारिक पढ़ाई के अलावा सही और गलत का विवेक जगाना शिक्षक की सबसे बड़ी देन है।
किसी भी व्यक्ति के जीवन की सबसे ऊंची उड़ान के पीछे उसके शिक्षक द्वारा दिए गए संस्कारों की मजबूत नींव होती है। समारोह के समापन पर विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा और लोकतंत्र की सेवा करने वाले शिक्षकों को मंच पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य माड़े बारसे, गीता कवासी,नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवनेश्वरी यादव, सरपंच मुत्री, नगरपालिका अध्यक्ष हूँगाराम, संतोष दीदो, धनीराम बारसे एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षक, शिक्षिका व सेवानिवृत्त शिक्षक,शिक्षकों की उपस्थिति रही।

अवैध शराब के विरुद्ध आवापल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बीजापुर। जिला बीजापुर में अवैध शराब के विक्रय एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना आवापल्ली पुलिस द्वारा दिनांक 04.09.2026 को अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस टीम द्वारा शराब दुकान आवापल्ली के पास स्थित आरोपी की दुकान में दबिश देकर आरोपी प्रदीप साहू पिता भगवान साहू, उम्र 37 वर्ष, निवासी स्कूल पारा, आवापल्ली के कब्जे से अवैध रूप से रखी गई अंग्रेजी शराब एवं बीयर जप्त की गई।

जप्त शराब का विवरण
- 117 पाव 1848 सुपीरियर व्हिस्की
- 33 पाव बेस्टो रेयर व्हिस्की
- 16 बोतल बीयर
- कुल मात्रा : 37 लीटर 400 मिलीलीटर

उक्त कार्रवाई में आरोपी के विरुद्ध थाना आवापल्ली में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं मे कार्यवाही की गई। थाना आवापल्ली मे विधिवत कार्यवाही उपरान्त न्यायालय, बीजापुर के समक्ष पेश किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मिनी माता सहित अन्य महिला सम्मान के लिए नामांकन प्रस्ताव 25 तक

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिनी माता सम्मान, माता बहादुर कलारिन सम्मान एवं वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार के लिए नामांकन प्रस्ताव 25 सितम्बर 2026 तक मंगाये गये है। विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईट ढ्ढह्लह्य-ह्य://ष्द2ष्ष्र.द्दश1.द्बह्व में उपलब्ध है एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग के पीछे में संपर्क कर सकते है। मिनी माता सम्मान विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक महिलाओं के उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं एवं अशासकीय संस्थाओं को प्रदान किया जाता है। इसी प्रकार माता बहादुर कलारिन सम्मान महिला उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष करने तथा नारी उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिला को दिया जाता है। वहीं वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार वीरता, शौर्य, साहस तथा महिलाओं में आत्मबल को सशक्त करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रदान किया जाता है।

संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक 10 सितम्बर को

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक 10 सितम्बर को दोपहर 12 बजे वीसी के माध्यम (वर्चुअल बैठक) से आयोजित की गई है। बैठक में संभाग के वृहद जलाशयों में जल भराव की स्थिति, रबी सिचाई उपलब्धि तथा खरीफ सिचाई लक्ष्य का निर्धारण, खाद बीज एवं कीटनाशक की उपलब्धता जैसे बिंदुओं पर चचा होगी।

मिनी स्टेडियम में चाकू के दम पर दहशत फैलाने वाला बदमाश पुलिस के शिकंजे में

बिलासपुर। मिनी स्टेडियम के पास धारदार चाकू लहराकर राहगीरों में दहशत फैलाने वाले एक बदमाश का आतंक ज्यादा देर तक नहीं चल सका। मुखबिर की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को मौके से दबोच लिया गया । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर जिलेभर में गुंडा-बदमाशों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सिटी कोतवाली पुलिस नियमित पेट्रोलिंग कर आदतन अपराधियों और अड्डेबाजों पर पैनी नजर बनाए हुए थी। 4 सितंबर 2026 को मोबाइल के जरिए मिली मुखबिर सूचना में बताया गया कि मिनी स्टेडियम, गवर्नमेंट स्कूल के पास एक युवक खुलेआम धारदार चाकू लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज कुमार पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक गगन कुमार के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी। मौके से शेख ईमारान उर्फ शेख मुसा उर्फ गिलू, पिता शेख रमजान, उम्र 22 वर्ष, निवासी फजल बाड़ा, गांधी चौक के पास, थाना सिटी कोतवाली, जिला बिलासपुर को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक धारदार चाकू जब्त किया गया। प्रारंभिक पड़ताल में आरोपी का कृत्य आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत दंडनीय पाए जाने पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 502/26 दर्ज किया । आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को अदालत के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लहराकर दहशत फैलाने वालों के खिलाफ बिलासपुर पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस का साफ संदेश है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के लिए जिले में कोई जगह नहीं है।

सूने मकान में चोरी करने वाला आदतन चोर गिरफ्तार, 20 हजार का सामान बरामद

बिलासपुर। सरकंडा पुलिस ने सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की टीवी, मिक्सी, डीवीडी, बफर स्पीकर और पीतल के बर्तन समेत करीब 20 हजार का सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, इमलीभाठा निवासी शिवशंकर जगत 28 अगस्त को परिवार के साथ राखी पर्व मनाने तखतपुर गए थे। अगले दिन लौटने पर मकान का ताला टूटा मिला और घर से सामान गायब था। शिकायत पर सरकंडा थाने में अपराध क्रमांक 1270/2026 के तहत धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि शनी राव (24), निवासी इमलीभाठा, बंधवापारा, सरकंडा चोरी का सामान बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है।

कलेक्टर-एसएसपी ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

चौथी इंटर क्लब ओपन रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता संपन्न

बिलासपुर। रॉयल स्केटिंग क्लब एवं फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय चौथी इंटर क्लब ओपन रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन बिलासा शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय के पिंक स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल शामिल हुए। प्रतियोगिता में विभिन्न स्केटिंग क्लबों के लगभग ''150 बालक-बालिका खिलाड़ियों'' ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने स्पीड क्वाड, स्पीड इनलाइन, टॉय इनलाइन एवं टेनासिटी स्केटिंग के विभिन्न इवेंट में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता मिनी, सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं 19 वर्ष तक के सीनियर वर्ग के बालक-बालिकाओं के लिए आयोजित की गई। प्रतियोगिता में ईफिनिटी क्लब, सेंट बॉक्स क्लब, स्पीड स्केटिंग क्लब, प्रियदर्शनी क्लब, एसईसीएल, एनटीपीसी स्केटिंग क्लब, ब्रिलिएंट स्केटिंग क्लब सहित रॉयल स्केटिंग क्लब के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के संबंध में रॉयल स्केटिंग क्लब के डायरेक्टर श्री विशाल रॉय ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में स्केटिंग के प्रति रुचि बढ़ाने तथा उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों में नमन मुलमुले, श्रद्धि श्यामल, आकांक्षा तिर्की, अव्युक्त लुल्ला, आध्या, एम. प्रणव, अनीश विहार गुनुपुरू, शिविका पांडे, तेजस्व सिंह, ईसार वर्मा, अविराज हुड्डा, अनन्या, अविरा विमल, अयांश श्रीवास्तव, स्मृति कुजूर, अनवी सैनी, इनाया खान, पूर्वी सिन्हा, प्रणव सिंह, रौनक तालुकदार, प्रांजल गौतम, अन्विता जायसवाल, प्रियांशी गौतम, अश्मि शर्मा, जीविका पटनायक, कुशांक, तेजल साहू, रणवीर वाधवानी, अरिजीत दत्ता, कमल महादेवा, बी. रूद्राक्ष नायडू एवं रश्मि शर्मा सहित अन्य खिलाड़ी शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शैलेंद्र सिंह ठाकुर ने की। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में श्री विमल, श्री मनोज, डॉ. मिलिंद भानदेव, श्री राजेश सूर्यवंशी, श्री कांतानाथ, श्री श्रेयांश पटनायक, श्री विक्की रॉय, श्री नितिन साहू, श्री तनमय नायर, श्री आशु अग्रवाल, श्री रितेश साहू, श्री अक्षत, श्री गंगासागर एवं तुषार बोडकर सहित आयोजन समिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बिहान से मिली नई राह,स्वरोजगार से लखपति बनीं श्रीमती ज्योति दीदी

बिलासपुर। मस्तुरी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बोहारडीह की श्रीमती ज्योति कुर्रे ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर अपनी मेहनत और लगन से स्वरोजगार की नई राह बनाई है। वे गांव में संचालित ''सागर महिला स्व सहायता समूह'' की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें मुर्गी एवं बत्तख पालन के लिए बैंक से ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि का सदुपयोग करते हुए ज्योति कुर्रे ने बत्तख, मुर्गी एवं बटेर पालन का व्यवसाय शुरू किया। श्रीमती ज्योति कुर्रे ने बताया कि इस व्यवसाय से प्राप्त अंडों को वे स्थानीय स्तर पर गांव में विक्रय करती हैं। इसके साथ ही थोक में अंडों का व्यवसाय कर अच्छा मुनाफा अर्जित कर रही हैं। ज्योति कुर्रे ने अपनी आय के

अतिरिक्त स्रोत के रूप में किराना दुकान का संचालन भी शुरू किया है। मुर्गी पालन, अंडा व्यवसाय और किराना दुकान के माध्यम से वे प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। बिहान योजना के माध्यम से मिले मार्गदर्शन, समूह का सहयोग और बैंक ऋण की सुविधा ने ज्योति कुर्रे को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज वे अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के साथ ही स्वावलंबन की मिसाल बन रही हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि ग्रामीण महिलाओं को अवसर, प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग मिले तो वे अपनी मेहनत से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। ज्योति कुर्रे ने कहा कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें अपनी आजीविका को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

शहडोल एवं शहडोल-अनूपपुर सेक्शन में चला नाका टिकट चेकिंग अभियान

- बिना टिकट व अनियमित टिकट यात्रा के 274 मामलों में 2.47 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को सुगम व सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध कराने, रेलवे नियमों के पालन सुनिश्चित करने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 06 सितम्बर 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डीएस चौहान के नेतृत्व में मंडल के शहडोल स्टेशन एवं शहडोल-अनूपपुर सेक्शन में नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक एवं टीटीई स्टाफशामिल थे। इस अभियान के दौरान शहडोल स्टेशन एवं शहडोल-अनूपपुर सेक्शन से गुजरने वाली 05 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 274 मामलों से कुल 2,47,535 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 269 मामलों से 02 लाख 43 हजार 985 रुपये तथा अनियमित टिकट के 05 मामलों से 03 हजार 550 रुपये का जुर्माना शामिल है 7 रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें। साथ ही गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान न करते हुये रेलगाड़ी एवं रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें 7

मृत्युकालीन कथन लेखबद्ध करने की प्रक्रिया पर प्रशिक्षण

बिलासपुर। मृत्युकालीन कथन लेखबद्ध करने की मानक संचालन प्रक्रिया के प्रभावी पालन के लिए आज मंथन सभा कक्ष, बिलासपुर में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारी, लोक अभियोजक एवं चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं एसएसपी श्री रजनेश सिंह उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि अपराधी को सजा दिलाने में मृत्युकालीन कथन महत्वपूर्ण साक्ष्य होता है। उन्होंने कहा कि मृत्युकालीन बयान को उच्च स्तर के साक्ष्य की श्रेणी में रखा गया है, लेकिन बयान दर्ज करते समय यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि संबंधित व्यक्ति किसी दबाव में तो बयान नहीं दे रहा है। बयान व्यक्ति के पूर्ण होशो-हवास में होना चाहिए, तभी उसकी वैधानिकता सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि दोषी तक पहुंचकर उसे सजा दिलाना और समाज को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाना हम सभी का दायित्व है। दोषियों को सजा मिलने से अपराध पर प्रभावी अंकुश लगता है। पुलिस, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और अभियोजन के समन्वय से मजबूत साक्ष्य जुटाए जाएं,

ताकि न्यायालय में प्रकरण प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर दोषियों को सजा दिलाई जा सके। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने कहा कि फील्ड स्तर पर विवेचना के दौरान आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को कार्यशाला में साझा करें। उन्होंने अधिकारियों से निर्देशानुसार विवेचना की प्रक्रिया अपनाने और साक्ष्यों का बेहतर संकलन सुनिश्चित करने कहा, ताकि आरोपियों को न्यायालय से सजा दिलाई जा सके। लोक अभियोजन अधिकारी सुश्री वीणा सिंह और सुश्री श्वेता कुर्रे ने प्रशिक्षण में मृत्युकालीन कथन लेखबद्ध किए जाने के संबंध में एसओपी की बारीकियों की विस्तार से जानकारी दी और उनकी जिज्ञासाओं का निराकरण किया। एडीएम शिवकुमार बनर्जी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग के निर्देश तथा माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में मृत्युकालीन कथन लेखबद्ध किए जाने संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया के पालन के लिए यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

बिलासपुर में सीआरपीएफ जवान की संदिग्ध मौत, पेड़ पर फंदे से लटका मिला शव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सीआरपीएफ के एक जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। सकरी थाना क्षेत्र के भरनी स्थित सीआरपीएफ कैंप में पदस्थ आरक्षक जयप्रकाश गहिर का शव सुबह के समय फंदे से लटका मिला। जवान का शव पुराने केंद्रीय विद्यालय परिसर की झाड़ियों के बीच एक पेड़ पर मिला, जिसके बाद कैंप में हड़कंप मच गया। मृतक जवान की पहचान 33 वर्षीय जयप्रकाश गहिर पिता जब्बा बनघु गहिर के रूप में हुई है। वह मूल रूप से ओडिशा के बलांगीर जिले के ग्राम खरबहाली, थाना बेलपड़ा के रहने वाले थे और लंबे समय से सीआरपीएफ में अपनी सेवाएं दे रहे थे। जानकारी के अनुसार, सुबह कैंप परिसर में जवान का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने की सूचना अधिकारियों को मिली। इसके बाद सकरी थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सीआरपीएफ में पदस्थ मनोज कुमार ने इस घटना की रिपोर्ट सकरी थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है और पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृत जवान के परिजनों ने पुलिस को बताया कि जयप्रकाश गहिर नशे की हालत में थे। घर में किसी बात को लेकर विवाद होने के बाद वह बाहर निकल गए थे। इसके बाद उन्होंने सुनसान इलाके में जाकर यह कदम उठाया। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृत जवान के पिता और भाई बिलासपुर पहुंचे। सिम्स अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद सीआरपीएफ की ओर से जवान को सम्मानपूर्वक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। सीआरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, आरक्षक जयप्रकाश गहिर ने बल में 15 साल से अधिक समय तक सेवाएं दी थीं। उनके निधन से साथी जवानों और परिवार में शोक का माहौल है। विभाग के अधिकारियों ने जवान के योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। पुलिस अब जवान के मोबाइल रिकॉर्ड, पारिवारिक परिस्थितियों और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

शिक्षक समाज के निर्माण और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : माननीय राज्यपाल रमेन डेका

- एसईसीएल डीएवी विद्यालय बिलासपुर में आयोजित हुआ द्रोणाचार्य संगम शिक्षक सम्मान समारोह

बिलासुर। एसईसीएल डीएवी विद्यालय, बिलासपुर में द्रोणाचार्य संगम शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल छत्तीसगढ़ श्री रमेन डेका उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं अन्य अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण किया गया। समारोह में एसईसीएल के विभिन्न संचालन क्षेत्रों के अंतर्गत संचालित सभी डीएवी विद्यालयों के शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान एवं समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल छत्तीसगढ़, श्री रमेन डेका ने कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण चरण होता है और इस दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यक्तित्व एवं भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक से प्राप्त सीख का प्रभाव विद्यार्थी के पूरे जीवन पर रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता का कोई छोटा रास्ता नहीं होता। सफलता के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन आवश्यक है। उन्होंने कार्य को टालने की प्रवृत्ति और आलस्य से दूर रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जीवन में सीखने की प्रक्रिया

कभी समाप्त नहीं होनी चाहिए। व्यक्ति को सदैव कुछ नया सीखने के लिए तत्पर रहना चाहिए। माननीय राज्यपाल ने कहा कि हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि समाज ने हमारे लिए क्या किया, बल्कि यह विचार करना चाहिए कि हमने समाज के लिए क्या किया है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने तथा अपने ज्ञान और क्षमता का उपयोग सकारात्मक योगदान के लिए करने का आह्वान किया। समारोह में बिलासपुर संभाग के आयुक्त श्री सुनील जैन, एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, एसईसीएल डीएवी बिलासपुर के प्राचार्य श्री के. पार्थिपन, डीएवी बिलासपुर क्षेत्र की क्षेत्रीय सहायक अधिकारी श्रीमती मौलिका मुखर्जी तथा एसईसीएल डीएवी कोरबा की प्राचार्य श्रीमती सुचित्रा शर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह तथा एसईसीएल एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी समारोह में उपस्थित रहे।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में हर एक तिथि का विशेष महत्व होता है। हर तिथि के अलग-अलग देवी-देवता होते हैं। सितंबर महीने का पहला प्रदोष व्रत मंगलवार को है। हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का खास महत्व होता है। मंगलवार के दिन जब प्रदोष व्रत रखा जाता है तो उसे भौम प्रदोष के नाम से जाना जाता है। प्रदोष व्रत में भगवान भोलेनाथ और मां पार्वती की पूजा का विधान होता है। इसमें भगवान शिव की पूजा सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में करने का विधान होता है। इस वर्ष प्रदोष काल के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। आइए जानते हैं भौम प्रदोष व्रत के बारे में विस्तार से.

भौम प्रदोष व्रत 2026

हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 08 सितंबर को दोपहर 2 बजकर 42 मिनट पर शुरू होगी और इसका समापन 9 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर खत्म होगी। ऐसे में प्रदोष काल 8 सितंबर को पड़ेगा और इस दिन व्रत रखा जाएगा। मंगलवार के दिन प्रदोष काल 8 सितंबर है।

पूजा शुभ मुहूर्त 2026

हिंदू पंचांग के अनुसार, 8 सितंबर को भगवान शिव की पूजा का समय 6 बजकर 35 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 52 मिनट तक रहेगा। इसमें भगवान शिव का गंगाजल, दूध, बेलपत्र, फल-फूल और बेलपत्र से अभिषेक करें ऊं नम: शिवाय मंत्रों का जाप करें। इस दिन ब्रह्ममुहूर्त सुबह 4 बजकर 31 मिनट से लेकर 5 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 54 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 44 मिनट तक रहेगा और निशिता काल रात 11 बजकर 56 मिनट से लेकर रात 12 बजकर 42 मिनट तक रहेगा।

प्रदोष व्रत का महत्व

- प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित होता है।
- इस व्रत को रखने से संकट दूर होते हैं और नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।
- सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

व्रत का धार्मिक महत्व

प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन की आराधना से संकट, परेशानी और नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। भक्त सुख-शांति, समृद्धि और धन की कामना से भी यह व्रत रखते हैं। भौम प्रदोष पर मंगल का प्रभाव जुड़ने से साहस और बाधा दूर होने की प्रार्थना की जाती है। सर्वार्थ सिद्धि योग के कारण इस बार पूजा और भी शुभ मानी जा रही है। 8 सितंबर 2026 को पड़ने वाला यह भौम प्रदोष व्रत आध्यात्मिक ऊर्जा और मनोकामना सिद्धि प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर है। पूरे विधि-विधान से शिव जी की पूजा करके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद लें।

पूजा विधि

- सबसे पहले प्रदोष काल में स्नान करके साफ-सुथरे वस्त्र पहनें।
- शिवलिंग पर जल, गंगाजल और दूध से अभिषेक करें।
- इसके बाद बेलपत्र, धतूरा, सफेद, दूध और अक्षत अर्पित करें।
- दीपक जलाकर शिव आरती करें और ऊं नम: शिवाय का जाप करें।
- इस दिन वाद-विवाद से बचें, क्रोध और तामसिक भोजन करने से बचें।

इस बार भौम प्रदोष पर तीन तरह का शुभ योग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग, परिघ योग और शिव योग। सुबह से रात 12 बजकर 40 मिनट तक फिर शिव योग। 8 सितंबर शाम 4 बजकर 39 मिनट से 9 सितंबर सुबह 6 बजकर 3 मिनट तक। सुबह से शाम 4 बजकर 39 मिनट तक।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन कार्यक्षेत्र में प्रगति लेकर आ सकता है। आपकी लगन और मेहनत पर वरिष्ठ अधिकारियों की नजर रहेगी और कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी भी मिल सकती है। व्यापार करने वालों को पुराने संपर्कों से फायदा होने की संभावना है। पैसों के मामले में स्थिति ठीक रहेगी, लेकिन किसी को बड़ी धनराशि उधार देने से फिलहाल बचें।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए दिन आर्थिक दृष्टि से अनुकूल रहने वाला है। नौकरी में लंबे समय से अटके काम गति पकड़ सकते हैं और आपके प्रदर्शन से अधिकारी प्रभावित होंगे। कारोबारियों को नए सौदे या व्यावसायिक प्रस्ताव से लाभ मिलने के संकेत हैं। आमदनी के साथ बचत पर भी ध्यान देना जरूरी रहेगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के लिए दिन थोड़ा व्यस्तता भरा रह सकता है। कार्यस्थल पर एक साथ कई काम सामने आने से दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ से परिस्थितियां संभल जाएंगी। कारोबार में किसी नए व्यक्ति से हुई मुलाकात आगे चलकर लाभकारी साबित हो सकती है। खर्चों में अचानक बढ़ोतरी संभव है, इसलिए आर्थिक योजना बनाकर चलें। परिवार के किसी अनुभवी सदस्य की सलाह आपके काम आ सकती है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए मंगलवार काफी उत्साहजनक रहने वाला है। चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से मनोबल बढ़ेगा और भावनात्मक रूप से मजबूती महसूस करेंगे। नौकरी में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपके सामने आ सकता है। व्यापारियों को कारोबार बढ़ाने के नए रास्ते दिखाई दे सकते हैं। आर्थिक स्थिति में मजबूती आने के संकेत हैं। परिवार में शांति और आपसी प्रेम बना रहेगा।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों के लिए कार्यक्षेत्र में उपलब्धि का दिन रह सकता है। वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलने से कोई महत्वपूर्ण काम आसानी से पूरा होगा। नौकरी में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जो आगे चलकर करियर के लिए फायदेमंद साबित होंगी। कारोबार में बड़ा सौदा तय होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी, हालांकि गैरजरूरी खरीदारी से बचना उचित होगा।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए आज सफलता का मंत्र योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी अहम प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिल सकती है और आपकी कार्यशैली की सराहना होगी। व्यापार में पुराने निवेश या पुराने संपर्कों से फायदा मिलने की संभावना है। धन संबंधी मामलों में स्थिरता बनी रहेगी। परिवार का कोई सदस्य आपके जरूरी काम को पूरा कराने में मदद कर सकता है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है।

तुला राशि - तुला राशि के लिए मंगलवार सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। नौकरी में सहकर्मियों का सहयोग मिलने से कार्य समय पर पूरे होंगे। व्यापार में पार्टनरशिप या किसी रहस्योगी के साथ मिलकर काम करने से फायदा हो सकता है। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिलेगा। घर में कोई अच्छी खबर मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि वालों को आज हर परिस्थिति में संयम बनाए रखना चाहिए। कार्यस्थल पर कुछ मुश्किलें या अतिरिक्त दबाव सामने आ सकता है, लेकिन धैर्य के साथ काम करने पर परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। कारोबार में जल्दबाजी से निवेश करने से बचें। पैसों के लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और बिना जांच-पड़ताल किसी पर भरोसा न करें।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों के लिए मंगलवार उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। नौकरी में लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे और लाभ के रास्ते खुल सकते हैं। अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। साथी का सहयोग प्रेम संबंधों को मजबूत बनाएगा।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के संकेत हैं। नौकरी में काम का बोझ और जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन इससे करियर में आगे बढ़ने के अवसर भी बनेंगे। व्यापारियों के साथ नए ग्राहक जुड़ सकते हैं और कारोबार में विस्तार की योजना बन सकती है। धन की स्थिति पहले से बेहतर रहने की संभावना है। परिवार के साथ कुछ सुखद पल बिताने का अवसर मिलेगा। जीवनसाथी के साथ भविष्य से जुड़े किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों के लिए नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिहाज से दिन उत्साहजनक रहेगा। नौकरी में आपकी नई सोच और रचनात्मक क्षमता लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। व्यापार में नए लोगों से बने संपर्क भविष्य में लाभ दिला सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, हालांकि अचानक कोई अतिरिक्त खर्च सामने आ सकता है। परिवार के लोगों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए मंगलवार सामान्य से बेहतर परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत नजर आएगी और किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता प्राप्त हो सकती है। कारोबार में कमाई के नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए कोई नई योजना बनाने का विचार मन में आ सकता है। घर-परिवार में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहेगा।

घर में किन जगहों पर बैठकर नहीं खाना चाहिए?

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में कुछ जगहों पर खाना नहीं खाना चाहिए। जानिए आखिर घर की वो कौन सी जगहें हैं जहां पर खाना खाने से घर की सुख-समृद्धि और बरकत पर बुरा असर पड़ता है?

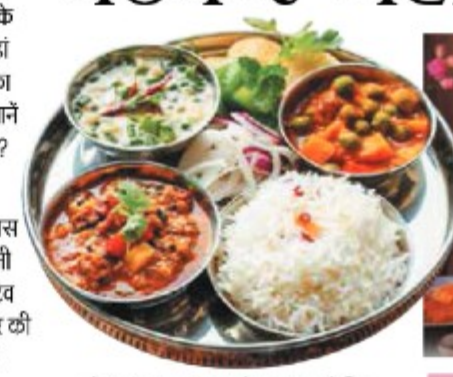

इन जगहों पर बैठकर ना खाएं खाना

वास्तुशास्त्र की मान्यता के अनुसार खाना खाने के नियमों को जरूर फॉलो करना चाहिए। आप कहां बैठकर खाते हैं और किस तरह से खाते हैं इसका असर घर की एनर्जी पर पूरी तरह से पड़ता है। जानें घर में किन जगहों पर बैठकर नहीं खाना चाहिए?

मुख्य द्वार के पास ना खाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार के पास बैठकर खाना खाने से बचने की कोशिश करनी चाहिए। यहां पर खाना खाने से घर की पॉजिटिव एनर्जी प्रभावित होती है। मान्यता है कि इससे घर की सुख-समृद्धि बुरी तरह से प्रभावित होती है।

बाथरूम के पास ना खाएं

वास्तुशास्त्र के नियम के हिसाब से बाथरूम के सामने या फिर इसके आसपास खाना नहीं खाना चाहिए। वास्तु मान्यता के अनुसार यहां पर खाना खाने से घर का माहौल खराब होता है और इसका असर स्वास्थ्य पर भी पड़ता है।

गंदे और टूटे बर्तन में ना खाएं खाना

नियम के हिसाब से हमेशा साफ और सही बर्तन में ही खाना खाएं। वास्तु मान्यता के अनुसार टूटे हुए बर्तन या फिर गंदी जगह पर खाना खाना वास्तुशास्त्र में अशुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर की सुख-शांति बुरी तरह से प्रभावित होती है।

अंधेरे में ना करें भोजन

वास्तुशास्त्र के अनुसार जिस कमरे में कम रोशनी हो वहां बैठकर कभी भी खाना नहीं खाना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें आप हमेशा साफ-सुथरी वाली जगह और अच्छी रोशनी में ही खाना खाने की कोशिश करें। ये स्वास्थ्य के साथ-साथ पॉजिटिव माहौल के लिए अच्छा माना जाता है।

बेड पर खाने से बचें

वास्तुशास्त्र के अनुसार बेड पर बैठकर खाना अच्छा नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में नेगेटिव एनर्जी बढ़ती है। साथ ही ऐसा करने से नींद बुरी तरह से प्रभावित होती है और इसका बुरा असर मानसिक शांति पर भी पड़ता है।

फैशन की ये गलतियां न करें

अच्छा और स्टाइलिश दिखने के लिए हमेशा महंगे कपड़े खरीदना जरूरी नहीं होता। कई बार हजारों रुपये का आउटफिट भी सही फिटिंग, कलर कॉम्बिनेशन या एक्सेसरीज की छोटी-सी गलती के कारण उतना आकर्षक नहीं लगता। वहीं साधारण और बजट फ्रेंडली कपड़ों को अगर सही तरीके से स्टाइल किया जाए, तो पूरा लुक काफी एलिगेंट दिखाई दे सकता है। मौसम बदलने के साथ कपड़ों की पसंद और स्टाइलिंग भी बदलती है। गलियों में बहुत ज्यादा लेयरिंग, बारिश में गलत फैब्रिक और सर्दियों में जरूरत से ज्यादा कपड़े पहनना लुक को भारी बना सकता है। इसके अलावा गलत फिटिंग और एक साथ बहुत सारे फैशन ट्रेंड्स को फॉलो करना भी आउटफिट का पूरा लुक बिगाड़ सकता है। अगर आपका वार्डरोब अच्छे कपड़ों से भरा है लेकिन पहनने के बाद लुक वैसा नहीं आता जैसा आप चाहती हैं, तो इन 5 आम फैशन गलतियों पर ध्यान देना जरूरी है।

गलत फिटिंग वाले कपड़े पहनना

कपड़े कितने भी महंगे क्यों न हों, अगर उनकी फिटिंग सही नहीं है तो पूरा आउटफिट अनकम्फर्टेबल और असंतुलित दिख सकता है। बहुत ढीले या जरूरत से ज्यादा टाइट कपड़ों की बजाय अपने बॉडी कम्फर्ट और सिल्हूट के अनुसार फिट चुनें। जरूरत पड़ने पर अच्छे टेलर से मामूली अल्टर करवाना भी पूरे लुक को बदल सकता है।

मौसम के हिसाब से फैब्रिक न चुनना

हर मौसम में एक ही तरह के फैब्रिक पहनना स्टाइल और कंफर्ट दोनों को प्रभावित कर सकता है। गर्म मौसम में हल्के और सांस लेने योग्य फैब्रिक बेहतर विकल्प हो सकते हैं। जबकि ठंड में लेयरिंग के साथ मौसम के अनुरूप गर्म कपड़े चुने जा सकते हैं। बारिश के मौसम में ऐसे कपड़ों से बचना सुविधाजनक हो सकता है जो जल्दी भारी या असहज हो जाते हैं।

एक साथ बहुत सारे ट्रेंड्स फॉलो करना

ओवरसाइज टॉप, बोल्ड प्रिंट, स्टेटमेंट ज्वेलरी, हैवी फुटवियर और ब्राइट रंग अगर सब कुछ एक ही आउटफिट में शामिल कर लिया जाए तो लुक जरूरत से ज्यादा बिजी दिखाई दे सकता है। बेहतर है कि एक या दो स्टेटमेंट एलिमेंट्स चुनें और बाकी आउटफिट को सिंपल रखें।

रंगों का गलत कॉम्बिनेशन

कपड़ों के रंग पूरे लुक पर बड़ा असर डालते हैं। बहुत सारे कॉन्ट्रास्ट रंग एक साथ पहनने की बजाय दो या तीन कॉम्प्लिमेंटरी शेड्स का कॉम्बिनेशन आजमाएं। न्यूट्रल रंग जैसे सफेद, बेज, काला, नेवी या भूरे को स्टेटमेंट रंग के साथ पेयर करना भी आसान स्टाइलिंग ट्रिक हो सकती है।

एक्सेसरीज और फुटवियर को नजरअंदाज करना

कई बार कपड़े सही होने के बावजूद फुटवियर, हैंडबैग या ज्वेलरी पूरे लुक से मैच नहीं करते। इसका मतलब यह नहीं कि हर चीज एक ही रंग की हो। बस एक्सेसरीज का ओवरऑल आउटफिट के साथ संतुलन होना जरूरी है। सिंपल आउटफिट के साथ स्टेटमेंट इयररिंग्स या स्टाइलिश फुटवियर को शामिल किया जा सकता है।

हर बीमारी में घरेलू नुस्खा आजमाना सही नहीं

सर्दी-खांसी, पेट दर्द जैसी आम समस्याओं में हम सभी अक्सर खुद से ही घरेलू उपचार करना शुरू कर देते हैं। खांसी में अदरक, अदरक, हल्दी या काढ़े की सलाह दी जाती है। पेट खराब हुआ तो अजवाइन और गले में दर्द हुआ तो नमक के पानी से गरारे जैसे उपाय भारतीय घरों में लंबे समय से इस्तेमाल होते रहे हैं। वैसे तो कुछ समस्याओं में ये आराम देने वाले भी हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ी गलती तब होती है जब घरेलू नुस्खे को हर बीमारी का इलाज समझ लिया जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार इस बात को लेकर अलर्ट करते रहे हैं कि हर आम दिखने वाली बीमारी में खुद से ही दवा या घरेलू उपचार नहीं शुरू कर देना चाहिए। सांस लेने में परेशानी, बेहोशी, भ्रम, बहुत तेज दर्द या अचानक बिगड़ती हालत को केवल घरेलू उपचार से ठीक की कोशिश आपके लिए बड़ी मुश्किलों का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वायरल बुखार, हल्के पेट दर्द या गैस जैसी कभी-कभार होने वाली समस्याओं में कुछ उपाय लाभ दे सकते हैं। पर अगर लक्षण लंबे समय तक बने रहें या बार-बार वही समस्या हो रही है तो इसके कारणों का पता लगाने के लिए जांच कराना और समय रहते डॉक्टर की मदद लेने जरूरी हो जाता है।

सांस लेने में अचानक या गंभीर परेशानी को केवल भाप, अदरक की चाय या काढ़े से ठीक करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। सांस फूलना कई अलग-अलग स्थितियों का संकेत हो सकता है और कई बार ये गंभीर समस्याओं की ओर इशारा भी हो सकता है। अगर सांस लेने में कठिनाई हो रही है तो इसमें आपातकालीन मदद की जरूरत होती है।

इसी तरह सीने में तेज और असामान्य दर्द, बेहोशी या हालत तेजी से बिगड़ने में भी घरेलू इलाज की जगह विशेषज्ञ की सलाह जरूरी है। अगर आपके आसपास या घर में कोई अचानक बेहोश हो जाए या अत्यधिक कमजोर महसूस करे तो इसे सामान्य थकान मानकर इग्नोर करना या खुद से कोई उपाय शुरू कर देना ठीक नहीं है। सांस लेने में परेशानी, दौरे पड़ना या त्वचा-होंठों के रंग में बदलाव जैसे संकेत गंभीर हो सकते हैं। कई बार हार्ट अटैक या शरीर में ऑक्सीजन की कमी में भी ऐसी दिक्कतें देखी जाती हैं। इन स्थितियों में तुरंत डॉक्टरी मदद की जरूरत होती है। हर बुखार में डॉक्टर के पास जाना जरूरी नहीं होता, लेकिन बहुत तेज बुखार, लगातार बिगड़ते लक्षण या कई दिनों तक सुधार न होने जैसी स्थिति में घरेलू उपचार करते रहना नुकसानदायक हो सकता है। शरीर से किसी भी तरह की ब्लीडिंग में सिर्फ खानपान या घरेलू उपचार के भरोसे बैठे रहना ठीक नहीं है। खून वाली उल्टी और मल में खून जैसे लक्षणों में तुरंत डॉक्टर की सलाह और जांच जरूरी है।

छोटे कमरे को सजाने के लिए आइडियास

बेडरूम अगर छोटा हो, तो वह दिखने में बहुत ही प्यारा और कम्फर्टेबल लगता है; लेकिन जब बात आती है इसे सजाने की, तो परेशानी सबसे ज्यादा बढ़ जाती है। जब कमरे में जगह कम होती है, तो वहां रखी हुई हर छोटी-बड़ी चीज़ बहुत मायने रखती है। अक्सर अपने छोटे से बेडरूम को सजाते वक्त हम उसमें ऐसी चीजें रख देते हैं, जिनकी वजह से वह और भी ज्यादा छोटा, घुटा हुआ और बिखरा हुआ नजर आने लगता है। अगर आपका बेडरूम भी छोटा है और आप इस प्रॉब्लम से जूझ रहे हैं, तो आज का यह आर्टिकल आपके लिए एक लाइफ सेवर साबित होने वाला है। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें जितनी जल्दी हो सके आपको अपने कमरे से बाहर निकाल देना चाहिए। जब आप इन चीज़ों को बाहर निकाल देंगे, तो आपका कमरा पहले से काफी बड़ा, साफ-सुथरा और खुला-खुला दिखाई देने लगेगा।

अगर आपका बेडरूम पहले से ही छोटा है, तो आपको उसमें कभी भी हैवी और बड़े साइज के फर्नीचर रखने की गलती नहीं करनी चाहिए। एक बड़ा सा बिस्तर, भारी-भरकम ड्रेसिंग टेबल या फिर बड़ी सी अलमारी कमरे को और भी छोटा दिखाने का काम करते हैं। कई बार इनकी वजह से कमरे में चलने-फिरने तक की जगह नहीं बचती है। इस तरह के हैवी फर्नीचर से बेहतर है कि आप अपने कमरे में हल्के और पतले पैरों वाले ऐसे फर्नीचर का इस्तेमाल करें, जिनका उपयोग आप एक से ज्यादा कामों के लिए कर सकें। डार्क रंग के पर्दे और दीवारें रोशनी को अपने अंदर एब्जॉर्ब कर लेते हैं। ऐसा होने की वजह से जगह और भी छोटी और अंधेरी दिखाई देने लगती है। अगर आप अपने कमरे में डार्क रंग के मोटे पर्दों का इस्तेमाल करेंगे या फिर दीवारों पर गहरा पेंट करवाएंगे, तो आपका छोटा सा कमरा और भी ज्यादा बंद-बंद सा लगने लगेगा। अगर आपका कमरा छोटा है, तो उसके लिए हल्के रंगों को चुनें। छोटे से कमरे के लिए सफेद, क्रीम, लाइट ब्लू या लाइट पिंक को सबसे बेस्ट माना जाता है। इन रंगों की वजह से कमरे में रोशनी बेहतर तरीके से फैलती है और आपका कमरा बड़ा भी दिखाई देने लगता है। अगर आप अपने बेडरूम को साफ रखना चाहते हैं, तो जितना हो सके कम से कम सामान को बाहर छोड़ें।

सिंक के पास भूलकर भी न रखें टूथब्रश

सुबह उठते ही टूथब्रश करना हमारी रोज की आदत है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ब्रश करने के बाद टूथब्रश कहां रखना चाहिए? ज्यादातर लोग इसे सिंक के पास रख देते हैं, क्योंकि वहां रखना आसान होता है। लेकिन बाथरूम में पानी, नमी और आसपास की गंदगी के कारण यह जगह हमेशा अच्छी नहीं होती। टूथब्रश रखने के लिए ऐसी जगह चुनना बेहतर है, जहां वह साफ, खुली हवा में रह सके।

सिंक के पास टूथब्रश रखना क्यों सही नहीं?

सिंक के आसपास अवसर पानी के छींटे पड़ते रहते हैं। साबुन और पानी की वजह से वहां नमी भी बनी रहती है। अगर सिंक टॉयलेट के बहुत पास है, तो ब्रश को खुले में रखने से बचना बेहतर है। बाथरूम छोटा हो तो टूथब्रश को सिंक से थोड़ी दूर किसी साफ और ऊंची जगह पर रखा जा सकता है। साथ ही, टॉयलेट फ्लश करते समय ढक्कन बंद रखने की आदत भी अच्छी है।

टूथब्रश रखने की सही जगह कैसी हो?

टूथब्रश के लिए ऐसी जगह चुनें जहां हवा आसानी से आती-जाती रहे। ब्रश को इस्तेमाल करने के बाद साफ पानी से अच्छी तरह धो लें और अतिरिक्त पानी हटा दें। इसके बाद उसे सीधा रखकर सूखने दें। अगर घर में कई लोगों के टूथब्रश हैं, तो उन्हें एक-दूसरे से थोड़ा अलग रखें। इससे ब्रश के ब्रिसल्स आपस में नहीं लगेंगे और हर व्यक्ति का ब्रश अलग रहेगा।

गीले टूथब्रश को तुरंत बंद न करें

कई लोग ब्रश करने के बाद उसे तुरंत कवर या बंद डिब्बे में रख देते हैं। रोज के इस्तेमाल में ऐसा करने से बचना बेहतर है। अगर ब्रश गीला है, तो पहले उसे अच्छी तरह सूखने दें। ट्रैवल के समय टूथब्रश कवर का इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन घर पर ब्रश को खुली और सूखी जगह पर रखना आसान और बेहतर तरीका है।

बंद कैबिनेट में रखना कैसा है?

बाथरूम की बंद कैबिनेट टूथब्रश रखने के लिए तभी ठीक है, जब वह साफ और सूखी हो और उसके अंदर हवा आती-जाती हो। अगर कैबिनेट के अंदर नमी रहती है, तो वहां ब्रश रखने से बचना बेहतर है।

टूथब्रश कब बदलें?

टूथब्रश की सफाई के साथ उसकी हालत पर भी ध्यान दें। जब ब्रश के बाल फैलने लगें, टेढ़े हो जाएं या पहले जैसे न रहें, तो नया टूथब्रश लेना चाहिए। समय-समय पर ब्रश बदलना भी रोज की ओरल केयर का हिस्सा है।

छोटी आदत, बेहतर सफाई

टूथब्रश को साफ, सूखी और हवादार जगह पर रखना बहुत आसान है। बस इस्तेमाल के बाद उसे पानी से धोएं, सीधा रखें, अच्छी तरह सूखने दें और टॉयलेट से उचित दूरी बनाए रखें। ये छोटी-छोटी आदतें आपकी रोज की ओरल हाइजीन रूटीन को और बेहतर बना सकती हैं।

छह साल तक चलता रहा गबन का खेल, 32 लाख की सेंध का खुलासा

बैंक में रकम जमा करने के नाम पर भेजता रहा फर्जी ई-मेल, जांच में खुली कैशियर की करतूत

दुर्ग/भिलाई। चोरी कितनी भी सफाई से की जाए, उसके निशान कहीं न कहीं जरूर छूट जाते हैं। भिलाई के हाइटेक अस्पताल में कैशियर के पद पर कार्यरत जसविंदर सिंह पर करीब 32 लाख रुपए के गबन का आरोप सामने आया है। आरोप है कि वह अस्पताल की नगद राशि बैंक में जमा करने के बजाय अपने पास रखता रहा और प्रबंधन को गुमराह करने के लिए ई-मेल के जरिए रकम बैंक में जमा किए जाने की गलत जानकारी देता रहा।

भरोसे की नौकरी में लगाई सेंध- जसविंदर सिंह करीब छह साल से अस्पताल में कैशियर के पद पर काम कर रहा था। अस्पताल की रोजाना जमा होने वाली नगद राशि को बैंक तक पहुंचाने की जिम्मेदारी उसी पर थी। आरोप है कि इसी जिम्मेदारी का फायदा उठाकर उसने रकम में हेराफेरी शुरू कर दी। अस्पताल प्रबंधन को लंबे समय तक इसकी भनक तक नहीं लगी। बताया गया कि आरोपी बैंक में रकम जमा किए जाने की जानकारी ई-मेल के माध्यम से देता था, जिससे रिकॉर्ड में सब कुछ सामान्य नजर आता रहा।

हिसाब-किताब खंगाला तो खुलती गई परतें- मामला तब सामने आया जब अस्पताल प्रबंधन ने वित्तीय लेन-देन और बैंक में जमा रकम का बारीकी से मिलान शुरू किया। दस्तावेजों और वास्तविक जमा राशि में अंतर सामने आने के बाद जांच आगे बढ़ाई गई। इसके बाद करीब 32 लाख रुपए के गबन का मामला सामने आया। अस्पताल प्रबंधन की शिकायत पर स्मृति नगर चौकी पुलिस ने दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन की जांच शुरू की। जांच के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कैशियर जसविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

गबन की रकम से खरीदा डेढ़ लाख का मोबाइल- पुलिस पूछताछ में गबन की रकम के इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी भी सामने आई। जांच के दौरान पुलिस ने गबन की रकम से खरीदा गया करीब डेढ़ लाख रुपए कीमत का सैमसंग मोबाइल फोन जब्त किया है।

न्यायिक रिमांड पर भेजा गया आरोपी- गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब गबन की राशि के शेष हिस्से की बरामदगी के प्रयास में जुटी है। मामले में वित्तीय लेन-देन से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

आईजी-एसपी ने देखी गोविंदा उत्सव और दही लूट की व्यवस्था, अधिकारियों को दिए निर्देश

आईजी ने डोंगरगढ़ थाना का भी किया निरीक्षण, कानून व्यवस्था पर फोकस करने कहा

राजनांदगांव। गोविंदा उत्सव के अवसर पर डोंगरगढ़ में आयोजित होने वाले विभिन्न दही लूट कार्यक्रमों को देखते हुए आईजी अजय यादव एवं पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने डोंगरगढ़ क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया गया।

इस दौरान आज आयोजित होने वाले विभिन्न दही लूट आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था सहित कानून-व्यवस्था से संबंधित आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा आयोजन स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती एवं सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी डोंगरगढ़ केशरी नंदन कायाक, थाना प्रभारी डोंगरगढ़ एवं प्रशिक्षु डीएसपी सुमन जायसवाल सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में पुलिस आईजी यादव द्वारा थाना डोंगरगढ़ का औचक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, अभिलेखों एवं पुलिसिंग व्यवस्था का जायजा लेते हुए थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों द्वारा गोविंदा उत्सव एवं दही लूट कार्यक्रमों के दौरान शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस की मुस्तैदी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

अब 'ड्राइवर' नहीं, 'सारथी' कहलाएगा वाहन चालक : देश के गृहमंत्री ने किया है एलान - सिन्हा

कृषि उपज मंडी में ड्राइवर संघ ने मनाया भव्य ड्राइवर दिवस, सम्मान के साथ गूंजे 'जय सारथी, जय भारती' के नारे

बेमेतरा। कृषि उपज मंडी परिसर में ड्राइवर संघ द्वारा आयोजित ड्राइवर दिवस समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान वाहन चालकों के सम्मान और उनके योगदान को लेकर उत्साहपूर्ण माहौल रहा। समारोह में ÷जय सारथी, जय भारती÷ के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि वाहन चालक केवल वाहन चलाने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे अपने साथ यात्रियों की जिंदगी और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेकर चलते हैं। परिवार से दूर रहकर दिन-रात मेहनत करने वाले वाहन चालक समाज और देश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सारथी हैं।उन्होंने कहा कि ÷ड्राइवर÷ शब्द के स्थान पर अब वाहन चालकों को सम्मानपूर्वक ÷सारथी÷ कहा जाना चाहिए। सारथी हमारे जीवन की यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके परिश्रम, समर्पण और जिम्मेदारी का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है।समारोह में ड्राइवर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान वाहन चालकों ने एकजुटता का संदेश देते हुए ÷जय सारथी, जय भारती÷ का उद्घोष किया।विजय सिन्हा ने कहा कि वाहन चालकों की समस्याओं और सुविधाओं को लेकर सकारात्मक पहल की आवश्यकता है। उनके सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए समाज को भी आगे आकर सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में ड्राइवर

पदभार ग्रहण करते ही निगम आयुक्त लीना कोसम ने दिखायी सक्रियता,शहर की सफाई व विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

मॉर्निंग विजिट में चार घंटे तक जमीनी व्यवस्थाओं का लिया जायजा,अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की नवनियुक्त आयुक्त लीना कोसम ने पदभार ग्रहण करते ही शहर की व्यवस्थाओं को लेकर सक्रियता दिखाई। उन्होंने सुबह करीब चार घंटे तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों का मॉर्निंग विजिट कर सफाई व्यवस्था, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा वार्डों में मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर पहुंचकर जमीनी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 25,अग्रसेन चौक की सड़क पर पड़े बिल्डिंग मटेरियल एवं छ×ड वेस्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क पर पड़े निर्माण अपशिष्ट को तीन दिवस के भीतर पूर्ण रूप से हटाना सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो और क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनी रहे। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 13 की बैंक लेन में बेस तक बेहतर साफ -सफाई सुनिश्चित करने तथा वार्ड क्रमांक 12 एवं 13 में गीले एवं सूखे कचरे के पृथक संग्रहण की निरंतर मॉनिटरिंग करने के सख्त निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा अधिकारियों को नियमित रूप से मैदानी निरीक्षण कर व्यवस्था की निगरानी करनी होगी। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 12 में विद्युत खंभा क्रमांक 12 एवं 57 का तकनीकी परीक्षण तत्काल कराने के निर्देश दिए। साथ ही गजानंद विहार स्थित प्लॉट के भवन संबंधी भौतिक परीक्षण एवं जांच की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आयुक्त लीना कोसम ने इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैंड स्थित मल्टी लेवल पार्किंग निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने निर्माण कार्य की गति की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि इसका लाभ शहरवासियों को जल्द मिल सके। इसके पश्चात आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि मूर्ति तैयार हो चुकी है तथा स्थापना कार्य शेष है। उक्त कार्य की लागत 50 लाख रुपये है और कार्य लगभग 70 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। आयुक्त ने शेष कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने तथा कार्य को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जो निर्माण कार्य किसी कारण से रुके हुए हैं अथवा जिनके कार्य शेष है, उन्हें प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों को केवल कागजों में प्रगति के रूप में न रखा जाए।

करोड़ों रुपए सड़कों पर खर्च करने के बाद धूल और गड्ढे ही मिल रहे : अशोक फड़नवीश

राजनांदगांव। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व पार्षद अशोक फड़णवीस ने शहरी क्षेत्र में किए गए डामरीकरण की गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए निगम के जिम्मेदार अधिकारी व तकनीकी स्वीकृति प्रदान करने वालों पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि लगभग डेढ़ वर्ष में करोड़ों रुपए सड़कों पर खर्च की गई, कई सड़कों के घटिया डामरीकरण पर कार्यवाही न करके उसके पाप को बचाने दो-दो बार कार्य किए गए। उन्होंने कहा कि संबंधित ठेकेदार से कार्य करने के पूर्व क्या जिम्मेदारी तय की गई थी, ताकि सड़क उखड़े तो उसे ठीक करने की वारंटी थी या नहीं यह स्पष्ट नहीं है। वीआईपी सर्किट हाउस मार्ग गड्ढे, धूल और उखड़े हुए डामरीकरण के बजरी से वाहन चालक परेशान दो साल दो बार डामरीकरण फिर भी स्तरहीन कार्य जवाब देही विभाग की आँखों पर काली पट्टी बंधी है। एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम तीनों विभाग की सड़कों की दुर्दशा बदतर हो चुकी है। जिन भी ठेकेदारों के द्वारा कार्य किया गया हो, अगर उनके वारंटी की समयावधि बची हो तो उनसे कार्य करवाना चाहिए। साथ ही घर पर बैठ कर केवल बिल पास करने वाले जिम्मेदार तकनीकी अधिकारियों के विरुद्ध हमारे विधायक और विधानसभा अध्यक्ष डाक्टर रमन सिंह का क्षेत्र हे उन्हें संज्ञान में लेकर जाँच करवाना चाहिए। ताकि उनके क्षेत्र के लोग परेशान न हो ।

श्री फड़नवीस ने कहा कि सड़कों की मरमत के लिए राशि का इंतजार किया जाना बेइमानी होगी। बारिश थमने के बाद शहरवासी सड़क से उड़ते धूल से परेशान बारिश में गड्ढों से वाहन चलाने वाले परेशान कुल मिलाकर सभी परेशान जिम्मेदार अपने में मस्त है।

बारिश से सड़कों पर हुए गड्ढों को लेकर महापौर ने लिया संज्ञान, महाराजा चौक से बोरसी रोड तक डस्ट डालने के दिए आदेश

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सड़क में गड्ढे एवं जलभराव की स्थिति को देखते हुए महापौर अलका बाघमार ने महाराजा चौक से बोरसी रोड तक सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आमजन की सुविधा एवं सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता देते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महापौर ने महाराजा चौक से बोरसी रोड तक सड़क की स्थिति का जायजा लेते हुए बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए हिस्सों एवं गड्ढों को तत्काल डस्ट से भरने के आदेश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण सड़क पर बने गड्ढों से वाहन चालकों एवं राहगीरों को परेशानी हो सकती है, इसलिए ऐसे स्थानों पर तत्काल आवश्यक सुधार कार्य किया जाए। निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता से फोन पर चर्चा कर महाराजा चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों की सड़क संबंधी समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बारिश के कारण जहां भी सड़क क्षतिग्रस्त हुई है अथवा गड्ढे बने हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य कराया जाए, ताकि नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। महापौर ने कहा कि जनता की सुविधा और सुरक्षित आवागमन निगम की प्राथमिकता है। लगातार बारिश के बीच सड़कों की स्थिति पर विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार डस्ट एवं अन्य सामग्री डालकर आवागमन सुचारू रखा जाए। महापौर ने कहा कि अब लगातार त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है। आने वाले दिनों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में श्री गणेश स्थापना एवं अन्य धार्मिक आयोजनों की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। ऐसे में शहर के प्रमुख मार्गों एवं आवागमन वाले क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर एवं सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है।

शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की महापौर ने आयुक्त की उपस्थिति में की विस्तृत समीक्षा, अप्रारंभ कार्यों को जल्द शुरू करने के निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने आज शनिवार को निगम आयुक्त लीना कोसम की उपस्थिति में निगम अधिकारियों के साथ अपने बंगला एफ-4 में शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में महापौर ने विभागवार कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए जिन कार्यों का अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महापौर अलका बाघमार ने निगम के महत्वपूर्ण विभागों जल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक कर्म विभाग एवं विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक विभाग में चल रहे कार्यों, पूर्ण हो चुके कार्यों तथा लंबित एवं अप्रारंभ कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए,समीक्षा के दौरान इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड स्थित मल्टी लेवल पार्किंग निर्माण कार्य, विभिन्न वार्डों में स्वीकृत एवं प्रगतिरत निर्माण कार्य, अमृत मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तार सहित शहर में चल रहे अन्य विकास कार्यों की गति की जानकारी ली गई।साथ ही शहर क्षेत्र जहाँ जहाँ पोल में लाइट नही हो वहाँ प्रकाश की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए विभागीय स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और विकास कार्यों को गति देते हुए लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें। वहीं अप्रारंभ कार्यों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, निलेश अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी, सहायक अभियंता गिरीश दीवान,राजेन्द्र ढ्बाले, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू,केएस केवलानी सहित निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

चातुर्मास के अवसर पर जैन बगीचा में मुनि श्रेयांशप्रभ का प्रवचन

गुरु वह होता है जो आपको मिले ज्ञान का उपयोग करना सिखाता है: मुनि श्रेयांशप्रभ

राजनांदगांव। जो हमें ज्ञान दें हम उसे गुरु मानते हैं परंतु वास्तविक में सच्चा गुरु कौन है सच्चा गुरु वह है,जो आप जानते हो उसे न केवल जानना सिखाया बल्कि उसके उपयोग करने तथा जीवन में अपनाने का तरीका भी सिखाया। हर व्यक्ति ही अपना गुरु होता है। उक्त उद्गार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर ने जैन बगीचा स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय भवन में अपने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। मुनि श्रेयांशप्रभ ने कहा कि गुरु वह होता है जो आपको मिले ज्ञान का उपयोग करना सिखाता है,यही नहीं उसे अपनाना भी सीखाता है। हर व्यक्ति अपना गुरु होता है और संघर्ष उन्हें जीवन का मूल्य बताता है। जब तक आप तकलीफें को सामना नहीं करेंगे, तब तक आप जीवन का मूल्य नहीं समझ पाएंगे। उन्होंने कहा एक जिम्मेदारी होनी चाहिए किंतु एक ही जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए। जो मेहनत आप कर रहे हो वह तब तक सफल नहीं होगा जब तक आप तकलीफों का सामना ना करें। मुनि श्रेयांशप्रभ जी ने कहा कि हर कोई एडवेंचर चाहता है और जीवन ही हमारा एडवेंचर है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी किसी के लिए हमारा अच्छा बोलना भी गलत हो जाता है। उस समय आपका तरीका गलत नहीं बल्कि अलग होता है। हर गलती करने वाले को पता होता है कि उसने गलती की है लेकिन वहां जाकर हम जले में नमक छिड़कने काम करते हैं। या तो हम उसे डांटने लगते हैं या फिर उकसाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि हर बार बच्चों को डांटने से काम नहीं चलता, समझाना भी पड़ता है। हमें पहले यह समझना चाहिए कि बच्चा गलती क्यों किया, इस गलती के पीछे उसका उद्देश्य क्या था! हम इसे स्वयं ही समझने का प्रयास नहीं करते और समझाने चले जाते हैं।

कोई भी किसी चीज से चूकता नहीं है, हम कोशिश नहीं करते

मुनि श्री ने कहा कि हमें किसी को गिरने या गिराने के चक्कर मैं नहीं रहना चाहिए बल्कि उठाने के फेर में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी किसी चीज से चूकता नहीं है, बस वह कोशिश नहीं करना चाहता। कोशिश करें तो वह 90 फीसदी हिस्सा तो प्राप्त कर ही सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चे जहां 15 साल के होते हैं तो माता-पिता से थोड़ा दूर रहना चालू कर देते हैं। इसके पीछे अच्छा और बुरा दोनों कारण हो सकते हैं। इसलिए हमें बच्चों को अच्छी और बुरी दोनों की जानकारी देकर उनकी समस्या का हल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप अच्छे गुरू बने और अपने परिवार की समस्या को सुलझाएं। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

बेमेतरा। डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। कार्यक्रम में पालकगण की सहभागिता ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। विद्यालय कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण के जीवन, बाल लीलाओं और आदर्शों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी कृष्ण, राधा, ग्वाला एवं गोपियों की मनमोहक वेशभूषा में नजर आए। भक्ति गीतों, नृत्य एवं रासलीला की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।विद्यालय परिसर में कदंब वृक्ष के नीचे भगवान श्रीकृष्ण के लिए विशेष झूला सजाया गया, जो कार्यक्रम का आकर्षण रहा। विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप एवं उनकी लीलाओं को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया।कार्यक्रम में आयोजित मटका फोड़ एवं दही-हांडी प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में विशेष उत्साह भर दिया। बच्चों ने पूरे जोश के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और जय श्रीकृष्ण के जयकारों के बीच मटकी फोड़कर उत्सव का आनंद लिया। पूरा विद्यालय परिसर तालियों और उत्साह से गूंज उठा।इस अवसर पर विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेते हुए सत्य, धर्म, कर्तव्य, प्रेम, मित्रता और निस्वार्थ कर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया।

आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने तथा उनमें सहयोग, एकता और भाईचारे की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। संस्था के प्रचार्य पी एल जायसवाल ने सभी को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई व शुभकामनाएं दिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com